सुविचार
तुम अपने मिनटों का ध्यान रखो, घंटे अपनी परवाह खुद कर लेंगे।
अर्ल ऑफ चेस्टरफील्ड

दैनिक
रेवांचल टाइम्स
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

वर्ष 2 ■ अंक 289 ■ जबलपुर, बुधवार 15 अक्टूबर 2025 ■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य, 01 रुपये ■ RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965

जान बचाने कूदे लोग: 2 बच्चों समेत 16 लोग झुलसे; जैसलमेर से जोधपुर जा रही थी

राजस्थान में चलती A C बस में आग, 15 से ज्यादा मौतों की आशंका

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर में जैसलमेर-जोधपुर हाईवे मंगलवार दोपहर 3.30 बजे चलती एसी स्लीपर बस में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भीषण रूप ले लिया। बचने के लिए लोग चलती बस से कूद गए। हादसे में 2 बच्चों, 4 महिलाओं समेत 16 लोग झुलस गए। झुलसे यात्रियों को तीन एम्बुलेंस से जैसलमेर के जवाहिर हॉस्पिटल लेकर गए। जहां से सभी को जोधपुर रेफर कर दिया। अधिकांश यात्री 70 प्रतिशत तक झुलसे हैं। बस में 57 लोग सवार थे।

नगर परिषद के असिस्टेंट फायर ऑफिसर कृष्णपाल सिंह राठौड़ ने हादसे में 10-12 लोगों की जलने से मौत होने की आशंका है। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों और फायर कर्मियों के अनुसार मौत का आंकड़ा 15 से भी ज्यादा हो सकता है। हालात यह है कि बस की बॉडी इतनी गर्म है कि शव नहीं निकाल पा रहे। कलेक्टर प्रताप सिंह ने बताया कि इस हादसे के बाद बस पूरी तरह से जलकर खाक हो गई थी। चार घंटे बाद भी बस की बॉडी गर्म है। हादसे में 16 घायल थे, जिन्हें जोधपुर रेफर कर दिया गया है। बस में बाकी बची सवारियों की बॉडी है। बस रोजाना की तरह दोपहर करीब 3 बजे जैसलमेर से जोधपुर के लिए रवाना हुई थी। करीब 20 किलोमीटर दूर रास्ते में थईयात गांव के पास अचानक बस के पिछले हिस्से में धुआं उठने लगा। देखते ही देखते आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे। राहत कार्य शुरू किया। लोगों ने दमकल विभाग और पुलिस को सूचना दी। झुलसे यात्रियों को तीन एम्बुलेंस से जैसलमेर के जवाहिर हॉस्पिटल लेकर गए।

हादसे में स्थानीय पत्रकार की मौत

बस हादसे में स्थानीय पत्रकार राजेंद्र सिंह चौहान की मौत हो चुकी है। उनके साथ जैसलमेर केमिस्ट एसोसिएशन मनोज भाटिया भी साथ थे। दोनों पोकरण में किसी मेडिकल स्टोर के उद्घाटन में जा रहे थे। इसी दौरान हादसा हो गया। मनोज जलते हुए बाहर आ गए, जबकि राजेंद्र सिंह चौहान अंदर ही फंस गए। जैसलमेर में जहां हादसा हुआ है, उस जगह पर बैरिकेड्स लगाए गए हैं। इसके साथ ही हादसे वाली जगह को पूरा पैक कर दिया है और यहां आवाजाही पर रोक लगा दी है।

परिजन हेल्पलाइन पर संपर्क करें

कलेक्टर प्रताप सिंह ने बताया कि हादसे में झुलसे 16 लोगों को जोधपुर रेफर कर दिया गया है। उन्होंने इस हादसे में मृतकों के परिवार के प्रति गहरी संवेदना जताई है। कलेक्टर कहा- मैं मृतक यात्रियों के परिजनों से अपील करता हूं कि वे इनकी पहचान के लिए जिला प्रशासन की ओर से जारी हेल्पलाइन नंबर पर कॉन्टैक्ट करें।

पुलिस बुकिंग एजेंट से पूछताछ में जुटी

इस हादसे के बाद केके ट्रेवल्स की बुकिंग देखने वाले स्वागत ट्रेवल्स के एजेंट लक्ष्मण को एसडीएम और पुलिस पूछताछ के लिए कोतवाली थाने लेकर गई है। यहां से पता चला 4 से 5 लोगों की टिकट काटी थी। बाकी यात्रियों की टिकट बस में ही काटी गई थी और इसकी जानकारी लक्ष्मण के पास है। ऐसे में पुलिस लक्ष्मण से पूछताछ कर रही है कि आखिर बस में कितने यात्री थे। बस जैसलमेर के एयरफोर्स सर्किल से रवाना हुई थी। यहां से गढ़ीसर चौराहा और रेलवे स्टेशन से यात्रियों को बस में चढ़ाया गया था। 8 एंबुलेंस 16 घायलों को लेकर जैसलमेर से जोधपुर के लिए रवाना हो चुकी है। नेशनल हाईवे 125 पर ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया है, पुलिस जवान तैनात है, जिससे एंबुलेंस जल्दी से जल्दी पहुंच सके।

कलेक्टर बोले- बस में अब सिर्फ लाशें हैं

कलेक्टर प्रताप सिंह ने बताया कि इस हादसे के बाद बस पूरी तरह से जलकर खाक हो गई थी। चार घंटे बाद भी बस की बॉडी गर्म है। हादसे में 16 घायल थे, जिन्हें जोधपुर रेफर कर दिया गया है। बस में बाकी बची सवारियों की बॉडी है। कुछ देर में इन्हें निकालना शुरू कर दिया जाएगा। बस गर्म होने के कारण बॉडी निकालने में देरी हो रही है। जोधपुर से भी फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है। जैसलमेर के जवाहिर हॉस्पिटल प्रबंधन का कहना है कि 16 गंभीर घायलों को जोधपुर रेफर किया गया है। कुछ घायलों का मिलिट्री के हॉस्पिटल में भी इलाज जारी है।

सीएम भजनलाल और स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह जैसलमेर जाएंगे

सीएम भजनलाल शर्मा और स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह जैसलमेर जाएंगे। कुछ ही देर में जयपुर से रवाना होंगे। खींवसर जैसलमेर के प्रभारी मंत्री भी हैं। सीएम ने घटना को लेकर जिला प्रशासन से फीडबैक लिया है।

जोधपुर में एमडीएम हॉस्पिटल में ट्रॉमा सेंटर खाली करवाया

मथुरा दास माथुर हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. विकास राजपुरोहित ने बताया- हमें हादसे की सूचना मिल गई थी। महात्मा गांधी हॉस्पिटल में भी तैयारी है। ट्रॉमा सेंटर को भी खाली करवा दिया गया है। स्टाफ को तैनात किया गया है।

जोधपुर के लिए बनाया ग्रीन कॉरिडोर

देचू थाना पुलिस की ओर से जैसलमेर बस के घायलों को 7-8 एंबुलेंस से जोधपुर रेफर किया गया है। इसके लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया है। पूर्व विधायक रूपाराम धनदेव का कहना है- जैसलमेर से गंभीर घायलों को जोधपुर रेफर किया गया। वहां महात्मा गांधी हॉस्पिटल में सभी घायलों का इलाज जारी है। घायलों में अधिकांश 70 फीसदी तक झुलसे हुए हैं। मामले में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और पूर्व सीएम अशोक गहलोत को भी मामले की जानकारी दी हैं। हालांकि जैसलमेर के जवाहिर हॉस्पिटल प्रबंधन की ओर से अभी तक 16 घायलों को जोधपुर रेफर किया गया है।

दिल्ली की हवा खराब, प्रदूषण रोकने स्टेज-1 के उपाय लागू

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। दिल्ली में मंगलवार को हवा की गुणवत्ता खराब हो गई। इसके चलते इस मौसम में पहली बार ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के प्रतिबंध लागू किए गए। इसके तहत कंस्ट्रक्शन साइट्स पर धूल को कंट्रोल करने, खुले में कचरा जलाने पर रोक और नियमित रूप से सड़क सफाई जैसे उपाय किए जाते हैं। दिल्ली में औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 211 दर्ज किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। उधर, देश में इस बार तेज ठंड पड़ेगी, क्योंकि ऊपरी हिमालय का 86% हिस्सा समय से दो महीने पहले ही बर्फ से ढंक गया है। पिछले दिनों आए वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण पूरे हिमालय पर तापमान 2 से 3त्त कम बना हुआ है। इस वजह से ताजा बर्फ फिलहाल पिघल नहीं रही। यह अच्छा संकेत है। दिसंबर में ला नीना सक्रिय हो रहा है। जो प्रशांत महासागर के तापमान के सामान्य से ठंडा होने की एक मौसमी घटना है। इसके कारण भारत में अच्छी बारिश और ज्यादा ठंड पड़ती है। ऊपरी हिमालय यानी 4 हजार फीट से ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में औसत तापमान माइनस 15 C या उससे भी कम रहता है। ला नीना के कारण उत्तर, मध्य और पूर्वी भागों में औसत तापमान 3-4 प्रतिशत तक और गिर सकता है। मध्य प्रदेश में ठंड ने समय से पहले दस्तक दे दी है। भोपाल में मिनिमम टेम्परेचर 15.8त्त रिकॉर्ड हुआ, जो सामान्य से 3.6 प्रतिशत कम है। भोपाल में यह तापमान पिछले 26 साल में अक्टूबर के पहले पखवाड़े में तीसरी बार इतना कम रिकॉर्ड हुआ है।

साढ़े चार लाख पेंशनरों को अब मिलेगी 55 प्रतिशत महंगाई राहत

भोपाल। प्रदेश के साढ़े चार लाख से अधिक पेंशनरों को अब प्रतिमाह 55 प्रतिशत की दर से महंगाई राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में छत्तीसगढ़ की सहमति के बाद दो प्रतिशत महंगाई राहत बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

वित्तीय भार लगभग 170 करोड़ रुपये

इससे यह दर अब कर्मचारियों के महंगाई भत्ते के बराबर हो गई है। इस वृद्धि से पेंशनरों को प्रतिमाह 250 से लेकर दो हजार रुपये तक का लाभ होगा। सितंबर का एरियर अलग से दिया जाएगा। हालांकि, पेंशनर इससे संतुष्ट नहीं हैं। वे जनवरी से वृद्धि की मांग कर रहे हैं। छठे वेतनमान में महंगाई राहत 252 प्रतिशत रहेगा। इस वृद्धि से सरकार पर अतिरिक्त वार्षिक वित्तीय भार लगभग 170 करोड़ रुपये का आएगा।

11 जिलों में होगा श्रीअन्न का उपार्जन

बैठक में खरीफ 2025 में उत्पादित श्रीअन्न कुटकी 3,500 रुपये प्रति क्विंटल और कोदो 2,500 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदने का निर्णय लिया गया। इस वर्ष 30 हजार टन श्रीअन्न का उपार्जन जबलपुर, कटनी, मंडला, डिंडौरी, छिंदवाडा, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, रीवा, सीधी और सिंगरौली जिले में किया जाएगा। इसके लिए श्रीअन्न कंसोर्टियम आफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (श्रीअन्न फेडरेशन) को 80 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त

किसानों को प्रोत्साहन राशि के रूप में एक हजार रुपये प्रति क्विंटल दिए जाएंगे। कैबिनेट की बैठक में भावांतर योजना का अनुमोदन भी किया गया। इसमें 24 अक्टूबर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक मंडियों में सोयाबीन बेचने पर यदि समर्थन मूल्य (5,238 रुपये प्रति क्विंटल) से कम दर मिलती है तो अंतर की राशि सरकार देगी। इसके लिए प्रदेश की मंडियों में 14 दिवस के सोयाबीन के विक्रय मूल्य के औसत निकालकर माडल दर तय होगी। यदि उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य या मॉडल दर से कम बिकी तो अंतर की राशि पंजीकृत किसान के खाते में सीधे अंतरित होगी। रेशम का उत्पादन बढ़ाने के लिए भारत सरकार की सिल्क समग्र-2 योजना को 25 प्रतिशत राज्यांश के साथ प्रदेश में रेशम समृद्धि योजना के नाम से लागू करने की स्वीकृति कैबिनेट ने दी। इसमें सामान्य वर्ग के हितग्राही को इकाई लागत की 75 प्रतिशत और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को 90 प्रतिशत आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। इकाई की लागत 3.65 लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये की गई है। वहीं, प्रदेश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम के प्रदर्शन को बढाने के लिए भारत सरकार की योजना को प्रदेश में लागू किया जाएगा। इसमें केंद्रांश 105 करोड़ और राज्यांश 31 करोड़ रुपये रहेगा।

मंगोलिया के नागरिकों को निशुल्क ई-वीजा देगा भारत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को मंगोलिया के विकास में मजबूत और विश्वसनीय साझेदार बताते हुए दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे होने के मौके पर मंगोलिया के नागरिकों के लिए निशुल्क ई -वीजा की घोषणा की है। पीएम मोदी ने भारत की यात्रा पर आए मंगोलिया के राष्ट्रपति हुरेलसुख उखना के साथ यहां द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में कहा कि भारत मंगोलिया के विकास में एक दृढ़ और विश्वसनीय साझेदार रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति हुरेलसुख की यात्रा ऐसे समय पर हो रही है जब भारत और मंगोलिया के बीच राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष और रणनीतिक भागीदारी के 10 वर्ष पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि छह वर्ष के बाद मंगोलिया के राष्ट्रपति का भारत आना अपने आप में एक बहुत विशेष अवसर है। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर महत्वपूर्ण निर्णय की घोषणा करते हुए कहा कि भारत मंगोलिया के नागरिकों को नि:शुल्क ई-वीजा देगा और हर वर्ष मंगोलिया से युवा ह्यकल्चरल एम्बेसडर्सह्व की भारत यात्रा की भी व्यवस्था करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच दस वर्ष पहले हुई रणनीतिक साझेदारी का विस्तार हुआ है और यह प्रगाढ हुई है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग भी लगातार मजबूत हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, ह्लभारत और मंगोलिया के संबंध केवल राजनयिक नहीं है यह हमारे बीच आत्मीय और आध्यात्मिक बंधन है।

भोपाल जेल में गुमसुम हुआ आरक्षक सौरभ; डंडे से मारने वाला संतोष बोला-मैं बेगुनाह

सॉफ्टवेयर इंजीनियर की हत्या के आरोपी जेल में एक साथ

भोपाल। भोपाल में इंजीनियर उदित गायकी की हत्या करने वाले आरोपी आरक्षक सौरभ आर्य और संतोष सेंट्रल जेल के अ खंड बंदी वार्ड में एक साथ हैं। दोनों को सुरक्षा कारणों के चलते एक साथ रखा है। जेल जाने के बाद से ही सौरभ आर्य गुमसुम है। जबकि संतोष सामान्य है। वह साथी कैदियों से बातचीत कर रहा है। दोनों की रविवार रात को जेल में आमद हुई है। एक अधिकारी ने उससे बातचीत की तो दोनों ने स्वयं को बेगुनाह बताया। दावा किया कि बल प्रयोग जरूर किया लेकिन कमर के निचले हिस्से में मारा था। **नकाब पहनाकर आरोपियों को पेश किया गया था-** डीएसपी केतन अडलक के साले और सॉफ्टवेयर इंजीनियर उदित गायकी (20) को पीटने वाले दोनों पुलिस आरक्षक संतोष बामनिया और सौरभ आर्य को रविवार को जेल भेज दिया था। इससे पहले दोनों को कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस इन्हें नकाब पहनाकर कोर्ट लाई थी और नकाब में ही वापस ले गई। दोनों आरोपी पुलिसकर्मियों को शनिवार देर रात गिरफ्तार किया गया था। शनिवार को ही दोनों पर हत्या का केस भी दर्ज किया गया था। गुरुवार रात को पिपलानी थाने में पदस्थ आरक्षक संतोष बामनिया और सौरभ आर्य ने उदित की डंडे से पिटाई की थी। इसका वीडियो भी सामने आया था। पिटाई के बाद उदित बेहोशी की हालत में पहुंच गया था। उसके दोस्त उसे एम्स लेकर आए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। उदित के शरीर पर 16 जगहों पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। अगले दिन शुक्रवार की सुबह उदित की मौत हो गई थी। शुक्रवार को दोनों आरक्षकों को सस्पेंड भी कर दिया था। शनिवार को आई पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में उदित की मौत की वजह बेरहमी से पिटाई होना बताई गई। रिपोर्ट में मौत की वजह ट्रॉमा अटैक और पेनक्रियाज डैमेज बताया गया।

बिहार चुनाव, भाजपा की 71 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी

विधानसभा अध्यक्ष-मंत्री समेत 10 विधायकों के टिकट काटे, 46 रिपीट; दोनों डिप्टी C M समेत 13 मंत्री लड़ेंगे

पटना। बिहार चुनाव के लिए भाजपा ने मंगलवार को 71 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। डिप्टी C M सम्राट चौधरी को तारापुर से और विजय सिन्हा को लखीसराय से टिकट दिया गया है। विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव का टिकट काटा गया है। नंदकिशोर 5 बार से पटना सिटी से जीतते आ रहे हैं। उनकी जगह पर बीजेपी नेता और हाईकोर्ट के वकील रत्नेश कुशवाहा को उतारा है। सीतामढ़ी की रीगा सीट से मोतीलाल प्रसाद का टिकट काटकर बैद्यनाथ प्रसाद को प्रत्याशी बनाया गया है। 60 वर्षीय बैद्यनाथ प्रसाद पूर्व एमएलसी और पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। कुम्हरार से 5 बार के विधायक अरुण कुमार सिन्हा का भी टिकट कटा है। इनकी जगह संजय गुप्ता को मौका मिला है। संजय पार्टी में प्रदेश महामंत्री भी रह चुके हैं। लिस्ट में 13 मंत्रियों और 9 महिलाओं के भी नाम हैं। 71 सीटों पर पार्टी के 56 विधायक थे। इनमें से 46 को रिपीट किया है। 10 के टिकट कटे हैं। 71 कैंडिडेट्स की सूची में सवर्ण - 35, SC-ST-06, OBC- 11 और EBC- 19 हैं। इस बार भाजपा 101 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। 71 के नाम सामने आ गए हैं। अब 30 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान बाकी है। बिहार में 6 और 11 नवंबर को वोटिंग होगी। रिजल्ट 14 नवंबर को आएगा। 2020 में भाजपा ने 7 अक्टूबर को 27 कैंडिडेट की पहली लिस्ट जारी की थी। **इन विधायकों के कटे टिकट-** 71 कैंडिडेट्स की लिस्ट में बीजेपी के 56 सिटिंग विधायक थे। इनमें से 10 के टिकट काटे गए हैं। 46 को पार्टी ने रिपीट किया है। बीजेपी ने दोनों डिप्टी उट के साथ 12 मंत्रियों को मैदान में उतारा है। मंत्री मंगल पांडे, नीतीश मिश्रा, नीरज कुमार बबलू, जीवेश मिश्रा, राजू सिंह सहित अन्य है।

पंजाब आईटी की टीम ने जब्त किए गोपनीय दस्तावेज, टैक्स चोरी का वैलुएशन कर रहे

दिलीप बिल्डकॉन पर आयकर की छापेमारी जारी

भोपाल। भोपाल में दिलीप बिल्डकॉन के दो दफ्तरों में सोमवार से शुरू हुई आयकर विभाग की पंजाब की टीम की छापेमारी कार्रवाई अभी चल रही है। अमृतसर से आई इनकम टैक्स टीम भोपाल में दो जगहों पर दस्तावेज खंगाल रही है। इस टीम ने भारी मात्रा में ऐसे दस्तावेज जब्त किए हैं जो इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट के मैनिपुलेशन और शेयर में गड़बड़ी से जुड़े हैं। इस टीम के प्रिंसिपल डायरेक्टर इन्वेस्टिगेशन समेत दो दर्जन अधिकारी यहां पूछताछ और पड़ताल कर रहे हैं। आयकर अफसरों के अनुसार पंजाब में टैक्स चोरी के मामले में की गई एक कार्यवाही के मामले में दिलीप सूर्यवंशी के लिंक मिले हैं और इसके आधार पर यह छापेमारी की गई है जिसमें भारी मात्रा में दस्तावेज जब्त किए गए हैं। इसके लिए दिलीप बिल्डकॉन ग्रुप के मालिक दिलीप सूर्यवंशी के चूनाभट्टी स्थित दफ्तर पर सोमवार से सर्चिंग की जा रही है। पंजाब के चंडीगढ़ रीजन के आयकर विभाग की डीजी इन्वेस्टिगेशन बत्सला झा ने दैनिक भास्कर से बातचीत में दिलीप बिल्डकॉन के भोपाल में दो ठिकानों में छापे की पुष्टि की और कहा कि इस मामले में अभी फाइनल रिपोर्ट आना बाकी है। मंगलवार शाम तक कार्रवाई पूरी होने की संभावना है। यहां जांच के लिए आई अमृतसर की आईटी टीम ने एमपी एसएएफ की मदद ली है, लेकिन लोकल पुलिस या केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों को नहीं बुलाया है। अमृतसर से आई टीम ने इस छापेमारी में भोपाल के विभागीय अफसरों को साथ नहीं लिया है। आयकर विभाग की टीम ने इंदौर से लगे धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में आर्निल टेक्नोक्राफ्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी पर भी छापा मारा है। बताया जा रहा है कि यह कंपनी दिलीप बिल्डकॉन ग्रुप से जुड़ी हुई है और मुख्य रूप से रोड फर्नीचर बनाने का काम करती है।

दिलीप बिल्डकॉन को भी आईटी ने कार्रवाई का कारण नहीं बताया- अमृतसर इनकम टैक्स की ओर से भोपाल में दिलीप बिल्डकॉन पर की जा रही छापे की कार्रवाई को लेकर कंपनी को कोई जानकारी नहीं दी गई है। कंपनी की ओर से कहा गया है कि आयकर विभाग ने अभी तक ये नहीं बताया कि वे कंपनी के कैम्पस में क्यों आए हैं। हम भी इस बात की जानकारी का इंतजार कर रहे हैं कि इस कार्रवाई से हमारा कोई संबंध है या नहीं। बीते कुछ समय से कुछ कंस्ट्रक्शन कंपनियों पर आयकर की कार्रवाई हुई है। इसलिए हो सकता है कि भोपाल में दिलीप बिल्डकॉन पर आईटी की कार्रवाई उन्हीं से संबंधित हो। हालांकि इनकम टैक्स की ओर से अब तक कोई बयान भी इस कार्रवाई के संबंध में अब तक जारी नहीं किया गया है।

जब दस्तावेज जब्त हो जाएंगे तो पता चल जाएगा

आयकर विभाग की छापेमारी कर रही टीम का कहना है कि अभी इस मामले में कार्यवाही चल रही है। इसमें अभी एक दो दिन का समय और लग सकता है। दिलीप बिल्डकॉन की ओर से यह बयान जारी करने पर कि आयकर अधिकारी उनके यहां की जा रही कार्यवाही की वजह नहीं बता रहे हैं, इस पर आयकर अफसरों का कहना है कि टीम जब सर्च से संबंधित सभी दस्तावेज जब्त कर लेगी तो दिलीप बिल्डकॉन को भी इसकी जानकारी हो जाएगी। आयकर विभाग ने सोमवार सुबह दिलीप बिल्डकॉन (ऊ्रछ) और उससे जुड़े सहयोगियों के ठिकानों पर रेड मारी है। अमृतसर से आई इनकम टैक्स टीम भोपाल में दो जगहों पर दस्तावेज खंगाल रही है।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में
समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान
प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ
संपर्क करें 7415685293 9589490996 9340553112
68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

भ्रष्टाचार का बोलबाला रिश्वत लेते हुए ट्रेप फिर से पुरानी कुर्सी पर अफसर, क्या फिर होगा गबन और घूस का अगला अध्याय शुरू

मंडला भी अजब है और गजब है इस जिले का जिला प्रशासन विधायक मंत्री

सहायक यंत्री सहायक आयुक जनजाति कार्य विभाग मंडला नरेंद्र गुप्ता

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला जिला जो बैगा आदिवासी बाहुल्य होने के साथ साथ इस जिले में कोई भी नियंम या काननू नाम की चीज दिखाई पड़ रही है इस जिले में काननू व्यवस्था चौपट हो चुकी है और अब भ्रष्टाचार गबन और भ्रस्टो का गढ़ बन गया है जहाँ पर जिसकी लाठी इसकी भैस जैसी कहावत सही होते दिखाई पड़ रही है जहाँ एक तरफ केन्द्र और राज्य सरकार सुशासन की बात करती वही दुसरी ओर भ्रस्टो का बोलबाला दिखाई पड़ रहा है आज आम आदमी पर इन भ्रष्ट तंत्र के सामने नतमस्तक दिखाई पड़ रहा है जहाँ इन पर जाँच एजेंसियों के द्वारा लगाम लगाने कार्यवाही तो की जा रही हैं पर वह समुचित दिखाई नही पड़ रही और न ही इन रिश्वत खोरो भ्रस्टो पर कोई असर दिखाई पड़ता दिखाई दे रहा ये आज भी उसी शान से अपने पद पर बने हुए है और जैसे कि इन भ्रस्टो पर कार्यवाही का कोई असर ही नही हुआ है आज भी समय से अपना काम ऑफिस में अपनी कुर्सी पर बैठ कर लोगो को बतला रहे है कि ऐसी कई जाँच आती है और जाती है क्या ये जाँच एजेंसियों पर एक तमंचा नही या फिर उन मंत्री विधायक जिला प्रशासन जो बड़ी बड़ी बात करते है और सुशासन की बात करते है।

वही योजनाओ और अलग अलग मद से क्रय साम्रगी की फाइले बढ़ाने के नाम पर जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। भ्रष्टाचार का चक्र टूटने का नाम नहीं ले रहा है। विगत एक माह के भीतर जिले में दो सरकारी अधिकारियों को भ्रष्टाचार निरोधक संगठन आर्थिक अन्वेषण ब्यूरो और लोकायुक्त जबलपुर द्वारा रंगे हाथों रिश्वत लेते हुए ट्रेप किया गया। इन मामलों ने जिले भर में हलचल मचा दी और आमजन में यह उम्मीद जागी कि अब शायद भ्रष्ट तंत्र पर लगाम लगेगी और अन्य अफसर अपनी कार्यशैली में सुधार लाकर काम करेगें। लेकिन इन उम्मीदों को तगड़ा झटका तब लगा जब इन अधिकारियों को महज कुछ ही दिनों के बाद पुनः उनकी पुरानी जगह पर ही पदस्थापित करा दिया गया। इस निर्णय ने प्रशासन की नीयत और भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम की गंभीरता पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या यही है भ्रष्टाचार मुक्त शासन का वादा क्या इस पुनः पदस्थापना से भ्रष्ट अधिकारियों को खुली छूट नहीं मिल रही। क्या वे फिर से गबन और रिश्वत के उसी चक्र में नहीं लौटेंगे जिससे जनता त्रस्त है।

डी पी सी अरबिंद विश्वकर्मा

भ्रष्टाचार के दो बड़े शिक्षा विभाग के मामले एक माह में दो ट्रेप

विगत एक माह में जिले में दो बड़े ट्रेप सामने आए। पहला मामला सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग मंडला में पदस्थ सहायक यंत्री नरेन्द्र गुप्ता जिन्हें रिश्वत लेते रंगे हाथों 11 सितम्बर 2025 स्वयं के कार्यालय में रोशन तिवारी से फर्म बोरिंग बिल्डर्स से रिपेयर मेंटिनेंस का कार्य का भुगतान के एवज में छप्पन हजार की रिश्वत मांग की गई थी पहली किश्त बीस हजार की रिश्वत लेते लोकायुक्त की जबलपुर ने रंगे हाथ पकड़ा। जो ठेकेदार का भगुतान रोके हुए थे। दूसरा मामला 25 सितम्बर 2025 समग्र शिक्षा अभियान जिला शिक्षा केन्द्र में पदस्थ डी पी सी अरविंद कुमार विश्वकर्मा के द्वारा जिले के ककैया स्कूल में मान्यता क्लियर के एवज में एक लाख बीस हजार रुपये विद्या निकेतन स्कूल संचालक रवि कांत नंदा से साठ हजार रिश्वत लेते पत्नी संग ईओडब्लू जबलपुर से धराये गए जिसमे पहली किश्त ए पी सी अवधेश नारायण पांडे को पचास हजार पहले दिए गए थे। वही इन दोनों मामलों में संबंधित अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई और तत्काल प्रभाव से उन्हें निलंबित करने की कार्रवाई जिला प्रशासन के द्वारा किया जाना था लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। जो आमजनो के बीच चर्चा का विषय है। शुरूआती कार्यवाही से ऐसा प्रतीत हुआ कि शासन.प्रशासन भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख अपनाने को तैयार है। मगर यह स्थिति ज्यादा दिनों तक नहीं रही।

भ्रष्टाचार अधिनियम की कार्यवाही के बाद भी अपनी कुर्सी में है बरकरार अधिकारी क्यो

वही सूत्रों से जानकारी अनुसार सिर्फ 3 सप्ताह के भीतर दोनों अधिकारियों को प्रशासनिक कारणों का हवाला देकर दोबारा उन्हीं पदों पर तैनात कर दिया गया जहां वे पहले कार्यरत थे, और जहाँ से उन्होंने घूसखोरी की थी। यह फैसला शासन के उच्चाधिकारियों की स्वीकृति से हुआ जो अब खुद संदेह के घेरे में हैं। यह पुनः उसी पद पर पदस्थापना केवल सवाल ही नहीं खड़े करती, बल्कि यह दशार्ती है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध दिखाया जाने वाला रुख केवल कागजों तक सीमित है।

क्या फिर से कर सकते हैं गबन, भ्रष्टाचार या फिर मिटा रहे है

वही यदि कोई अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त पाया जाता है और फिर उसे उसी पद पर फिर से बैठा दिया जाए तो यह न केवल भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है बल्कि यह संदेश भी देता है कि सिस्टम भ्रष्ट अधिकारियों के प्रति नरम है। ऐसे में दोबारा गबन या घूस लेना बिलकुल मुमकिन है या फिर उन्हें उसी पद में असीन कर उनके द्वारा किये गए काले कबरे को मिटा देने की छूट प्रदान कर दी है जहाँ पर उनके द्वारा किये गए गोलमाल पर किसी अन्य अधिकारी या जनप्रतिनिधि न लिप्त हो जाये इसलिए इन्हें मौका दिया जा रहा जा है। वही लोकायुक्त की कार्यवाही का उद्देश्य केवल पकड़ा नहीं बल्कि भविष्य में होने वाले अपराधों को रोकना भी होता है। अगर कार्रवाई के बावजूद अधिकारी पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं लागू होती तो यह लोकायुक्त जैसी संस्थाओं की साख को भी कमजोर करता है। और जनता में उसका असर बुरा होता हैं और विभाग के प्रति जनता का भरोसा टूटाता है स्थानीय नागरिकों (विभाग) में इस निर्णय को लेकर जबरदस्त नाराजगी है, जब ट्रेप के बाद भी वही अधिकारी वापस उन्हें मूल पद बिठा दिए जाते हैं तो आम जनता को क्या संदेश मिलता है यही कि रिश्वत लो पकड़े जाओ फिर भी कुछ नहीं बिगड़ेगा। यह तो खुला आमंत्रण है, भ्रष्टाचार को। यह जन विश्वास का मजाक करार दिया और मांग की कि ऐसे अधिकारियों को कम से कम विभागीय जांच पूरी होने तक किसी भी संवेदनशील पद पर तैनात न किया जाए।अगर यही चलन बन गया कि ट्रेप हुए अधिकारी कुछ ही समय बाद फिर से अपनी सीटों पर वापस बैठेंगे तो इससे न केवल भ्रष्टाचार को बल मिलेगा बल्कि ईमानदार अधिकारियों का मनोबल भी टूटेगा।

रेवांचल टाइम्स फालोअप

यह चलन आगे चलकर घातक सिद्ध हो सकता है।क्योंकि एक बार रिश्वत लेते पकड़े जाने के बाद भी अगर कोई अधिकारी उसी कुर्सी पर लौटता है तो यह उस सिस्टम पर कलंक है जो उन्हें पकड़ने की बात करता है। क्या ऐसे में वे फिर से घूस नहीं लेंगे क्या गारंटी की जनता को फिर से ठगा नहीं जाएगा। भ्रष्टाचार के इस गंभीर मसले पर केवल कार्रवाई करना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उसे अंजाम तक पहुँचाना आवश्यक है।भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई केवल ट्रेप या निलंबन तक सीमित नहीं होनी चाहिए। असली लड़ाई तब है जब ऐसे मामलों को निर्णायक अंत तक पहुँचाया जाए। लेकिन अगर ट्रेप के बावजूद अधिकारी फिर से कुर्सी पर आ जाएं तो यह केवल सिस्टम की असफलता नहीं बल्कि लोकतंत्र के मूल्यों की अवमानना है।आज जरूरत है सख्त राजनीतिक इच्छाशक्ति और जवाबदेह प्रशासनिक ढांचे की ताकि न सिर्फ भ्रष्टाचार रुके बल्कि जनता का भरोसा भी बहाल हो सके।

इनका कहना है कि...

मंडला जिला भ्रष्टाचार का गढ़ बन गया है जहां आये दिनों लोकायुक्त और ई ओ डब्ल्यू की कार्यवाही भ्रस्टो पर जारी है पर मंत्री मिनिस्टर विधायक सांसद है और इस ओर कोई भी ध्यान नही दे रहे है जिस कारण से भ्रष्टाचार गबन दिन व दिन तेजी से बढ़ रहा है जिन पर जाँच एजंसियों ने कार्यवाही की है वह 24 से 28 घण्टे के अंदर मुख्यालय में अटैच किया जाता है वित्तीय पावर और उनके पद से हटा दिया जाता है पर ये मंडला में नही हो रहा है कार्यवाही हो रही है पर भ्रष्ट आज भी अपनी कुर्सी में यथावत दिखाई पड़ रहे है पर भाजपा के शासन में शुशासन कहि दिखाई ही नही पड़ रहा हैं, वर्तमान सरकार नियमों को शिथिल करते हुए उन्हें पद में बनाये हुए है कांग्रेस पार्टी जल्द से जल्द भ्रष्टाचारियो के नाम खोलते हुए संबंधित कार्यालय में तालाबंदी की कार्यवाही करेगी ऐसी कार्यप्रणाली को देखते हुए मध्यप्रदेश के प्रमुख सचिव मध्यप्रदेश शासन को लिखित पत्र देगी।

अशोक मर्सकोले जिला अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी मंडला

अवैध शराब की बड़ी खेप पकड़ी गई , दो आरोपी गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले के थाना महाराजपुर के अंतर्गत चौकी हिरदेनगर पुलिस को अवैध शराब की बड़ी खेप पकड़ने में सफलता प्राप्त हुई है। दिनांक 13.10.2025 को रामनगर क्षेत्र में गश्त के दौरान मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम चौगान रानी महल, नर्मदा झारिया के खेत के पास दो व्यक्ति अवैध रूप से भारी मात्रा में शराब रखकर बेचने की तैयारी में हैं। सूचना पर पुलिस अधीक्षक मंडला के निर्देशन एवं एसडीओपी मंडला के मार्गदर्शन में चौकी हिरदेनगर स्टॉफ एवं गवाहों के मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर दो व्यक्तियों को पकड़ा गया जिनके कब्जे से 19 कार्टून बरामद किए गए, जिनमें देशी एवं अंग्रेजी मदिरा भरी हुई पाई गई। पूछताछ में आरोपियों द्वारा किसी प्रकार का वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। जों अवैध देशी व अंग्रेजी मदिरा को जप्त कर दोनों आरोपियों को मौके से अभिरक्षा में लेकर जप्तशुदा माल को चौकी पर सुरक्षार्थ जमा किया गया तथा दोनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। गिरफ्तार आरोपी- 1. रोहित बरमैया पिता संतोष बरमैया उम्र 36 वर्ष 2. राजेश झारिया पिता रामप्रसाद झारिया उम्र 33 वर्ष, निवासी ग्राम रामनगर, चौकी , हिरदेनगर, थाना महाराजपुर. जिला मंडलो, जप्त मदिरा, कुल मात्रा=19 पेटी में 934 पाव (168.12 लीटर) कीमतः 1,24,000।

वितरण में अनियमितता पर कलेक्टर को ज्ञापन दिया

मंडला में ग्रामीणों को 5 माह से नहीं मिला खाद्यान

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला जिले के बीजाडांडी विकासखंड के ग्राम भटाडुंगरिया माल और रैयत (पोस्ट बरगांव, तहसील नारायणगंज) के ग्रामीणों ने खाद्यान्न वितरण में अनियमितताओं को लेकर जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्हें पिछले चार से पांच माह से खाद्यान्न नहीं मिला है। ज्ञापन में बताया गया है कि ग्राम भटाडुंगरिया की उचित मूल्य दुकान के विक्रेता की ओर से खाद्यान्न वितरण नहीं किया जा रहा है। इस कारण ग्रामीणों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव में कई ऐसे परिवार हैं जिनकी आजीविका मुख्य रूप से शासकीय खाद्यान्न पर निर्भर करती है। वितरण न होने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है। यह समस्या पिछले 4-5 महीनों से लगातार बनी हुई है, और बार-बार

शिकायत के बावजूद कोई समाधान नहीं हुआ है। ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि संबंधित विक्रेता के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए और खाद्यान्न वितरण व्यवस्था को तुरंत सुचारू किया जाए। इससे पात्र परिवारों को शीघ्र राहत मिल सकेगी।

ग्राम दानीटोला में अवैध मेडिकल स्टोर एवं क्लीनिक सीलः अमानक व एक्सपायरी दवाइयाँ जब्त

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देश पर जिले में संचालित दवा दुकानों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को ग्राम दानीटोला में संचालित मेडिकल स्टोर एवं क्लीनिक का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दुकान में अमानक एवं एक्सपायरी दवाइयाँ पाई गईं, जिन्हें मौके पर ही जप्त किया गया। जांच में

यह भी पाया गया कि मेडिकल स्टोर किसी अन्य फार्मासिस्ट के नाम पर संचालित किया जा रहा था, जबकि संचालक के पास फार्मासिस्ट की मान्यता प्राप्त डिग्री नहीं थी। गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए मेडिकल स्टोर एवं क्लीनिक दोनों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनस्वास्थ्य से जुड़ी गतिविधियों में लापरवाही या अवैध संचालन को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

नैनपुर में संयुक्त टीम की कार्रवाई

मिठाई की दुकान से गैस सिलेंडर जब्त, मिठाईयों का लिया सैंपल

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशन में आज खाद्य विभाग एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा नैनपुर में स्थित मिठाई की दुकानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्वच्छता और खाद्य गुणवत्ता की जांच की गई। टीम द्वारा एक मिठाई की दुकान से संदिग्ध मिठाई का सैंपल लिया गया तथा अनुचित रूप से उपयोग किए जा रहे गैस सिलेंडर को जप्त किया गया। कार्यवाही के दौरान विभागीय अधिकारियों ने दुकानदारों को स्वच्छता बनाए रखने, शुद्ध खाद्य पदार्थ विक्रय करने और खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश दिए। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

नवप्रवेशित छात्राओं का स्वागत समारोह

मंडला । एकलव्य योजनांतर्गत संचालित ब्रांच कम्प्यूटर साइंस इंजी., इलेक्ट्रॉनिक्स टेलीकम्युनिकेशन इंजी. तथा इलेक्ट्रिकल इंजी. में 100 प्रतिशत प्रवेश की उपलब्धि प्राप्त करने उपरांत नवप्रवेशित छात्राओं का संस्था में अध्ययनरत वरिष्ठ छात्राओं द्वारा सोमवार को स्वागत किया गया।

जनसुनवाई में ललिता धुर्वे ने अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

खुद आम नागरिक की तरह दिया आवेदन

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले में प्रति मंगलवार होने वाली जनसुनवाई में सैकड़ो आवेदन प्रतिवेदन आते है पर निराकरण शुन्य नजर आ रहे है और या जनसुनवाई केवल एक सरकारी कार्यवाही जैसे ही सामने आ रही है जहाँ पर अधिकारी आते है और लोगों के आवेदन लेकर उन्हें एक नजर देख कर फाइल बना कर रख दिया जाता है और वह फाइल फिर धूल खाते रहती है ये केवल एक फार्मेलिटी बन कर रह गई हैं। वही इस मंगलवार में हुई जनसुनवाई के दौरान एक अलग ही दृश्य देखने को मिला जब मंडला जिला पंचायत सदस्य एवं सभापति सहकारिता एवं उद्योग विभाग श्रीमती ललिता धुर्वे स्वयं अपनी समस्याओं को लेकर आम नागरिक की तरह आवेदन देने पहुंचीं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि जब एक चुनी हुई जनप्रतिनिधि के पत्रों और शिकायतों का जवाब अधिकारी नहीं देते, तो फिर आम नागरिक की सुनवाई की क्या उम्मीद की जा सकती है। श्रीमती धुर्वे ने कहा कि वह लंबे समय से अपने विभाग से संबंधित विभिन्न विषयों पर

अधिकारियों से जानकारी मांग रही हैं ताकि विभागीय कार्यों की समीक्षा की जा सके। किंतु विभाग के अधिकारी उनके पत्रों का जवाब देने से बचते हैं और केवल मौखिक रूप से भ्रमक जानकारी प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि जब उनसे लिखित जवाब मांगा जाता है तो अधिकारी टालमटोल करने लगते हैं और कोई ठोस उत्तर नहीं देते। उद्योग विभाग के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि विभाग में पारदर्शिता का अभाव है। उद्योग विभाग के अंतर्गत आने वाली विभिन्न यूनिटों की स्थिति और कार्यों के संबंध में लगातार पत्राचार करने के बावजूद कोई ठोस जानकारी नहीं दी गई। इस रवैये से स्पष्ट है कि विभागीय अधिकारी जनप्रतिनिधियों के प्रति भी जवाबदेही महसूस नहीं कर रहे हैं। श्रीमती धुर्वे ने यह भी बताया कि उन्होंने अल्प बचत सहकारी केंद्रीय मर्यादित बैंक में हुए बड़े वित्तीय घोटालों के संबंध में भी कई बार पत्र लिखकर ध्यान आकर्षित कराया है, किंतु अब तक किसी भी प्रकार की जांच या कार्यवाही नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत गंभीर विषय है क्योंकि इस बैंक के अध्यक्ष स्वयं कलेक्टर होते हैं, ऐसे में जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि अगर विभाग के प्रमुख अधिकारी और संबंधित प्रशासनिक अधिकारी अपने स्तर पर ऐसी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लेते, तो जनता का भरोसा सरकारी व्यवस्था से उठना स्वाभाविक है। एक चुनी हुई जनप्रतिनिधि होने के बावजूद यदि उन्हें आवेदन देने और जवाब के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, तो आम नागरिकों की स्थिति सहज ही समझी जा सकती है। वही जनसुनवाई के दौरान उपस्थित नागरिकों ने भी इस मुद्दे पर सहमति जताई कि अधिकारियों की उदासीनता और जवाबदेही की कमी आज बड़ी प्रशासनिक समस्या बन चुकी है। श्रीमती धुर्वे ने प्रशासन से आग्रह किया कि विभागीय जवाबदेही सुनिश्चित की जाए और सहकारिता एवं उद्योग विभाग के अधिकारियों के कार्यों की जांच की जाए, ताकि जनता और प्रतिनिधियों दोनों का विश्वास बहाल हो सके।

मालखाना से माल उड़ाने वाला प्रधान आरक्षक गिरफ्तार

55 लाख और गहनों पर किया हाथ साफ, आरोपी को लेकर ज्वेलर्स व्यापारी के दुकान पहुंची पुलिस, और बढ़ सकती है आरोपियों की संख्या

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। कोतवाली थाना में पदस्थ कार्यवाहक प्रधान आरक्षक राजीव पंद्रे, दो सालों से मालखाना प्रभारी था। जिसमें थाना अंतर्गत हुए अपराधो में जब्त रूपए और जेवर रखे हुए थे। जहां से उसने, 55 लाख रूपए और सोने चांदी के जेवरात पार कर दिए। जब यह मामला खुला तो पुलिस भी दंग रह गई।

मीडिया में खबर आने के बाद आनन-फानन में पुलिस ने घटना तो स्वीकारा लेकिन मामले की पूरी जानकारी देने से बचती रही। देरशाम पुलिस ने प्रेस को जारी बयान में बताया कि आरोपी राजीव पंद्रे को गिरफ्तार कर उसके पास से 40 लाख रूपए की राशि रिकवर कर ली गई है, लेकिन पुलिस उन सवालों को छिपा रही है जो मीडिया जानना चाहता है, मसलन वह कब से मालखाने से पैसा निकाल रहा थाड़ इतनी बड़ी एक साथ निकाली या अलग-अलग निकालीड़ इसके साथ और कौन जुड़ा है।

जिस पर पुलिस का हमेशा की तरह एक ही जवाब है कि जांच की जा रही है, हालांकि देरशाम, मालखाने से गायब जेवरों को गिरवी या फिर बेचे जाने की आशंका से, आरोपी राजीव पंद्रे से पूछताछ में मिली जानकारी के बाद पुलिस ने राजहंस ज्वेलर्स दुकान में दबिश दी। जहां पुलिस ने दुकानदार से सोने-चांदी के जेवरातो की जानकारी ली।

जिसको लेकर भी अभी तक पुलिस ने कोई जानकारी साझा नहीं की है और ना ही यह बताया है कि दुकानदार, ने कैसे, जेवर लिए या गिरवी रखे। फिलहाल इस मामले में पुलिस, मीडिया को दूर रख रही है। हालांकि इस मामले की जांच अब डीएसपी महिला सेल प्रतिष्ठा राठौर को सौंपी गई है। जो ही इस मामले को लीड कर रही है। पुलिस सूत्रों मामले में बताते है कि इस मामले में पुलिस ज्वेलर्स व्यापारी के साथ ही उन लोगों को भी आरोपी बना सकती है, जिनके साथ, यह जुआ खेलता था।

जिला पंचायत सामान्य प्रशासन समिति की बैठक हुई सम्पन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। जिला पंचायत सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 14 अक्टूबर को जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार की अध्यक्षता में जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में योगेश राजा लिल्हारे उपाध्यक्ष जिला पंचायत, समस्त सभापति टामेश्वर पटले,दलसिंह पन्द्रे, झामसिंह नागेश्वर, श्रीमती केशर बिसेन, महेश मरकाम, श्री डुलेन्द्र ठाकरे, अभिषेक सराफ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्य रूप से म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसरंचना विकास मण्डल संभाग बालाघाट, सहकारिता विभाग बालाघाट, कृषि विभाग बालाघाट, आदिम जाति कल्याण विभाग बालाघाट एवं उद्योग विभाग के कार्यो की समीक्षा की गई। अध्यक्ष जिला पंचायत बालाघाट द्वारा जिले के विभिन्न विभागों अंतर्गत कराये जा रहे निर्माण कार्यो कार्यो में गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिये जाने की बात कही गई। बैठक में कृषि विभाग अंतर्गत खरीफ उर्वरक भंडारण एवं वितरण वर्ष 2025 की समीक्षा की गई एवं जिलें में कृषि क्षेत्र अंतर्गत नवाचार किये जाने जिसमें रबी में मक्के जैसी फसल लगाये जाने के संबंध में किसानों को जागरूक किये जाने की बात कही गई।

बाघ के 13 नाखुनो के साथ दो गिरफ्तार, दो आरोपी फरार

वनविभाग ने आरोपियों को किया न्यायालय में पेश परिक्षेत्र अधिकारी बोली फरार आरोपियों की तलाश जारी

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। जिले के उत्तर वनमंडल सामान्य अंतर्गत परिक्षेत्र उत्तर उकवा सामान्य में वनविभाग की टीम ने बाघ के 13 नाखुनों के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जबकि दो आरोपी भागने में कामयाब रहे।

मंगलवार को परिक्षेत्र अधिकारी प्रियंका मरकाम और टीम ने आरोपियों को मीडिया के सामने लाकर, घटना की जानकारी साझा की। परिक्षेत्र अधिकारी मरकाम डब्लूसीसीबी भोपाल की सूचना पर परिक्षेत्र और कान्हा टाइगर रिजर्व की टीम ने छपरवाही मार्ग पर अमरूटोला रोड के पास चार व्यक्तियों को दो मोटरसाइकिल के पास खड़े देखा। जैसे ही टीम के लोग, उनके पास पहुंचे, वैसे ही फारेस्ट टीम को देखकर चारों व्यक्ति भागने लगे। जिसमें से दो व्यक्तियों को मौके पर पकड़ा गया। जबकि अन्य दो जंगल में भाग गए। टीम के हाथो पकड़ाए महेंद्र पिता शोभाराम की तलाशी लेने पर उसके जेब से लाल कपड़े की बंधी एक पोटली निकली। जिसमें बाघ के 13 नग नाखून मिले। जिन्होंने बताया कि नाखून को व्यापारी को विक्रय करने के खड़े थे। जिसके बाद महेंद्र पिता शोभाराम मडावी और उसके साथ पकड़ाए महेंद्र पिता रामेश्वर राऊत को वन अपराध में गिरफ्तार कर उनके पास से विधिवत वन्य प्राणी बाघ के 13 नग नाखून और दो मोटरसाइकिल बरामद की गई है। जबकि लामता क्षेत्र के मैरा निवासी सतीश पिता प्रताप भलावी और मोहगांव फंडकी निवासी किशोर उर्फ नंदकिशोर पटले फरार है। उन्होंने बताया कि वन्यप्राणी बाघ के नाखूनो के साथ पकड़ाए गए दोनो ही आरोपियों को बैहर न्यायालय में कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है।

इस पूरी कार्यवाही में परिक्षेत्र अधिकारी प्रियंका मरकाम, परिक्षेत्र सहायक राजेंद्र कुमार गनवीर, वनपाल कन्हैयालाल मडावी, वनरक्षक सचिन पदमें, बजारीसिंह ठाकरे, प्रताप चौरसिया और वनरक्षक कमलेश मसराम सहित स्टॉफ का सहयोग रहा।

5 हजार रूपए में कैस गुजारे जीवन

अंशकालीन कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन, अध्यक्ष बोले कार्यालय में अंशकालीन कर्मचारियो का किया जा रहा शोषण

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। जिले के शासकीय कार्यालय में भृत्यो के रिक्त पदो में भर्ती किए गए अंशकालीन कर्मचारियों ने मंगलवार को प्रोटेस्ट करते हुए मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव को सौंपा।

अंशकालीन कर्मचारियों ने सरकार से पूछा कि, बताए, इस महंगाई के दौर, महज 5 हजार रूपए महिने में वह कैसे जीवन गुजारे। उन्होंने कहा कि अल्प मानदेय में वह केवल जी रहे है, बच्चों की पड़ाई और अन्य जरूरी कार्यो के लिए उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अंशकालीन कर्मचारियों ने सरकार से सम्मानजनक वेतन या फिर कलेक्ट्रेट दर पर मानदेय भुगतान करने की मांग की।

अध्यक्ष संतोष चौधरी ने बताया कि प्रदेश भाजपा की भाजपा सरकार में यदि किसी का शोषण हो रहा है तो वह जनजातीय कार्य विभाग में कार्यरत अंशकालीन कर्मचारी। पूरे प्रदेश में आश्रम शाला, स्कूल में कार्यरत है, जो वर्षो से कार्य कर रहे है।

जिन्हें केवल 5 हजार रूपए ही मासिक वेतन मिल रहा है। ऐसे में ना तो वह परिवार चला पा रहे है, बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य कुछ नहीं दे पा रहे है, प्रदेश में सबसे ज्यादा बुरी और बदत्तर स्थिति है तो वह अंशकालीन कर्मचारियों की। उन्होंने बताया कि यदि अंशकालीन कर्मचारी, अपने वेतन की मांग करता है तो उसे धमकाया जाता है कि यदि तुमने मांग की तो हम, तुम्हारी जगह दूसरा कर्मी रख लेंगें। जिससे अंशकालीन कर्मचारी ना केवल आर्थिक बल्कि मानसिक रूप से प्रताड़ित महसुस कर रहा है। हमारी मांग है कि 8 घंटे से ज्यादा काम करने वाले अंशकालीन कर्मचारियों को कम से कम कलेक्ट्रेट दर पर भुगतान किया जाए। अन्यथा जिले के अंशकालीन कर्मचारी, नवंबर में अनिश्चितकालीन धरना आंदोलन करेंगे।

आंबेडकरवादियों ने बाबा साहब को किया नमन

आंबेडकर चौक पर मनाया गया धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस

भंत धम्म शिखर बोले आज के दिन का बड़ा महत्व

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। 14 अक्टूबर 1956 को बाबा साहब आंबेडकर ने अपने 7 लाख अनुयायियों के साथ नागपुर की दीक्षाभूमि में हिन्दू धर्म त्याग कर बौद्ध धर्म की दीक्षा ग्रहण की थी। यही कारण है कि 14 अक्टूबर मंगलवार को सभी आंबेडकर अनुयायियों ने, धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस मनाया। आंबेडकर चौक पर बाबा साहब आम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। जिसके बाद भंते धम्म शिखर और आंबेडकरवादियों ने धम्मदेशना का पाठ किया।

सार्वजनिक जयंती समारोह समिति के अध्यक्ष अधि. दयाल वासनिक ने बताया कि आज ही के दिन, बाबा साहब ने बौद्ध धर्म को अपनाकर, शोषित, वंचित तथा दलितों को एक नया रास्ता दिखाया था। उन्होंने बताया कि आज धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस पर डॉ. बाबा साहब आम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ ही, समता भवन बूड़ी में धम्म देशना, मंचीय कार्यक्रम, भोजन दान सहित देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए है। इस दिन को हम सभी आंबेडकर अनुयायी, एक उत्सव के रूप में मनाते हैं।

भंते धम्म शिखर ने बताया कि हजारों वर्षो तक भेदभाव और असमानता के चलते बाबा साहब ने गुरू चंद्रमणी से बौद्ध धर्म की दीक्षा ग्रहण की और सात लोगों के साथ 22 प्रतिज्ञाओ से धम्म दीक्षा दी। जिसके कारण आज के दिन का बड़ा महत्व है।

विकसित भारत-विजन 2047 विविध विषय संदर्भ पर एसएसपी

महाविद्यालय वारासिवनी में एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का हुआ आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय वारासिवनी में 14 अक्टूबर को एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार ''विकसित भारत- विजन 2047 विविध संदर्भ'' विषय पर आभासी मंच के माध्यम से आयोजन किया गया। आभासीय मंच पर वेबीनार का संचालन नरेन्द्र कुमार डोंगरे सचिव द्वारा किया गया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. रक्षा निकोसे द्वारा विषय के परिचय पर सारगर्भित रूप से प्रकाश डाला गया।

महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एसएस गेड़ाम द्वारा विकसित भारत में ज्ञान विज्ञान एवं तकनीकि के क्षेत्र में प्रगति पर प्रकाश डाला गया एवं शुभकामना संदेश दिया गया। प्रफुल्ल बिसेन द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार ''विकसित भारत: विजन 2047 विविध संदर्भ'' में राष्ट्र और समाज के उत्थान में युवाओं की भुमिका को अहम बताया गया। मुख्य वक्ता के रूप में आभासी मंच पर उपस्थित डॉ. श्रीकांत लक्ष्मणराव आरले द्वारा विकसित भारत विजन 2047 साहित्य के युगानुरूप परिवर्तनों व वर्तमान साहित्य के विकास के बारे में जानकारी दी गई। वहीं द्वितीय मुख्य वक्ता डॉ. रमाकांत राय द्वारा प्रथामिक शिक्षा में मातृभाषा की स्वीकार्यता तथा 2047 तक हिन्दी कोर क्षेत्र से बहार निकलकर अन्तर्राष्टीय स्तर प्रतिष्ठित होने की बात कही।

कार्यक्रम में मार्गदर्शक प्रवक्ता डॉ. गोविंद सिरसाठे द्वारा साहित्य को राष्ट्र की आत्मा स्वीकारते हुए विकसित भारत के लिए संस्कृति, शिक्षा, नवाचार एवं नैतिक मुल्यों की आवश्यकता के बारे में बताया गया। डॉ. ज्योति बर्फे सहायक प्राध्यपक हिन्दी शासकीय महाविद्यालय मनावर जिला धार द्वारा शोध पत्र वाचन में विकसित भारत में शिक्षा प्रणाली पर प्रकाश डाला। कृष्णा पराते सहायक प्राध्यापक हिन्दी एवं कार्यक्रम सह-संयोजक द्वारा सर्वप्रथम वेबीनार में पंजीकृत 186 प्रतिभागीयों, आभासी मंच पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार एवं वर्चुवल कक्ष में 147 से अधिक उपस्थित समस्त संरक्षक, मुख्य वक्ता, मध्यप्रदेश के अन्य जिलों से शामिल शोधार्थी, मार्गदर्शक प्रवक्ता, परामर्श समिति, आयोजन समिति, तकनीति समिति, महाविद्यालय परिवार एवं छात्र-छात्राओं का आभार प्रदर्शन एवं धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर खापा का भारत सरकार के दल ने किया सघन निरीक्षण

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। भारत सरकार के दल द्वारा वारासिवनी विकासखण्ड अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर सह उप स्वास्थ्य केन्द्र खापा का राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) के अंतर्गत सघन निरीक्षण किया गया। दल में नेशनल असेसर डॉ.राठी बालचंद्रन केरला तथा डॉ.सिबाशीष स्वैन उडीसा शामिल थे। राष्ट्रीय दल द्वारा पीएनसी नवजात शिशु के लिए दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाएं, किशोर स्वास्थ्य सेवाएं, असंचारी रोगों का प्रबंधन, परिवार कल्याण सेवाएं, राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम, स्वच्छता, रिकार्ड प्रबंधन, संचारी एवं असंचारी रोगों की रोकथाम एवं उनका प्रबंधन, मरीजों के अधिकार, क्लीनिकल सेवाएं, इंफेक्शन कंट्रोल, सपोर्टिंग सेवाएं, सामान्य बीमारी का उपचार एवं प्रबंधन, बाल्यकालीन सेवाएं क्वॉलिटी मेनेजमेंट तथा आउट पुट संबंधी समस्त रिकार्ड की विस्तार से जानकारी प्राप्त की गई। राष्ट्रीय दल द्वारा निरीक्षण के दौरान बीएमओ वारासिवनी डॉ.सत्यम शर्मा, डीपीएम विक्रम सिंह ठाकुर, डीक्यूएम श्री विनोद कामडे, डॉ.समर्पित पाटीदार, डॉ. स्वाती उईके, बीपीएम संजय तुरकर, सरपंच देवी प्रसाद गौतम, सचिव खिलेन्द्र राहंगडाले, सीएचओ वैशाली बोपचे, एएनएम मनीषा मेश्राम, विशाल सोनी, मेंटर वैशाली पारधी उपस्थित थे।

संपादकीय

पाक-तालिबान जंगी टकराव

पाकिस्तान और अफगान-तालिबान के बीच जंगी टकराव के हालात बन गए हैं। शनिवार गहरी रात में तालिबान लड़ाकों ने पाक चौकियों पर हमले किए। उनका दावा है कि 58 पाक फौजी मार दिए गए और 25 चौकियों पर तालिबान ने कब्जा जमा लिया। भारी संख्या में हथियार, गोला-बारूद भी लड़ाकों के हाथ लगे हैं। पाकिस्तान का दावा है कि उसके 23 फौजी मारे गए हैं, जबकि पलटवार में ड्रोन हमले किए गए। पाकिस्तान करीब 200 अफगान लड़ाकों को मारने और 19 चौकियां कब्जाने का दावा कर रहा है। पाकिस्तान ने 9 अक्तूबर को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पर मिसाइल हमला किया था। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का मुखिया मुफ्ती नूर वली उसके निशाने पर था, लेकिन वह बच गया। टीटीपी के ह्यआत्मघाती फिदायीनह्ल ने पाकिस्तान में हमला कर कई लाशें बिछा दी थीं। यह संगठन बलूचिस्तान, खैबर में भी पाक फौजियों को हलाक करता रहा है। उनके पलटवार में पाक ने काबुल पर हमला किया था। वैसे पाक और अफगान सेनाओं का कोई मुकाबला नहीं है, क्योंकि अफगानिस्तान के पास वायुसेना या जल की ताकत पनडुब्बियां सरीखे आधुनिक हथियार नहीं हैं। जो अत्याधुनिक राइफलें, मशीन गन, रॉकेट लॉन्चर, गोला-बारूद, टैंक आदि अमरीकी सेनाएं छोड़ गई थीं, बस तालिबान लड़ाकों की ताकत वही है। तालिबान के पास करीब 40,000 प्रशिक्षित ह्यआत्मघाती फिदायीनह्ल की ऐसी ताकत है, जो कहीं भी जाकर मौत का विस्फोट कर सकते हैं। तालिबानी हुकूमत के विदेश मंत्री आमिर मुत्ताकी भारत के प्रवास पर हैं। उन्होंने मिसाइल हमले को अफगान संप्रभुता पर हमला करार दिया था, लिहाजा 11 अक्तूबर की गहरी रात वाला हमला तालिबान का पलटबदला माना जा सकता है। यह जंगी टकराव और तनाव दो मुस्लिम देशों के दरमियान पसरा है। पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच जो ह्यनाटो जैसाह्ल समझौता हुआ था, वह भी बेनकाब हो गया और खोखला साबित हुआ। सऊदी अरब पाकिस्तान के समर्थन में जंग में नहीं कूदा। अलबत्ता कतर की तरह अमन-चैन और संवाद का ही बयान दिया। भारत के संदर्भ में यह जंगी टकराव कई मायने रखता है। तालिबानी विदेश मंत्री आमिर खान ने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भारत की संप्रभुता और एकता-अखंडता का समर्थन किया। भारत-अफगान विदेश मंत्रियों का जो साझा घोषणा-पत्र सार्वजनिक किया गया है, उसमें दोनों देश एक-दूसरे की संप्रभुता, एकता-अखंडता का समर्थन कर रहे हैं। जाहिर है कि पाकिस्तान की तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। दरअसल भारत सरकार ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अफगानिस्तान भेजकर उनकी संसद का निर्माण कराया। योजना आयोग की तर्ज पर एक खास दफ्तर बनाया गया है। भारत ने अफगानिस्तान में बांध बनाने के अलावा, स्कूल-कॉलेज, सडकें, प्राथमिक चिकित्सा केंद्र आदि का भी निर्माण कराया है। भारत वहां 400 से अधिक परियोजनाएं संचालित कर रहा है और 3 अरब डॉलर से अधिक का निवेश है। दरअसल भारत-अफगान दोस्ती सदियों पुरानी है, लिहाजा भारत ने अफगान के पुनर्निर्माण के मामले में चीन-पाकिस्तान को पछाड़ दिया है। विडंबना और हास्यास्पद है कि पाक राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने तालिबानी हमले के पीछे ह्यभारत का हाथह्ल करार दिया है। जबकि दोनों देशों के आपसी तनाव और हमले नैसर्गिक हैं। हालांकि दोनों देशों में आतंकवाद रहा है, लेकिन उस पर भी गहरे, गंभीर मतभेद हैं। जब काबुल में 2021 में तालिबानी हुकूमत बन रही थी, तब पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रमुख काबुल में ही मौजूद थे और खूब प्रसन्न थे। पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने उस दौर को ह्यबेडि ?ों से आजादीह्ल करार दिया था। पाकिस्तान का आकलन था कि तालिबान उसके साथ ह्यदोस्तीह्ल निभाएगा और दोनों मिल कर भारत के खिलाफ नई आतंकी मुहिम शुरू करेंगे। ऐसा नहीं हो सका, बल्कि 2025 में ही दोनों देशों के दरमियान 6 हमले किए जा चुके हैं। करीब 132 साल पहले 1893 में ब्रिटिश राज ने जो सीमा-रेखा तय की थी, अफगान ने उसे कभी मान्यता नहीं दी। करीब 2640 किमी लंबी यह डूरंड लाइन अफगान-पश्तून इलाकों को दोफाड़ करती है। नतीजतन झड़पें होती रही हैं। पाकिस्तान में करीब 30 लाख अफगान शरणार्थी हैं। इनमें से 14 लाख के पास रजिस्ट्रेशन कार्ड हैं। शेष को अवैध करार देते हुए पाक ने बाहर निकालने की मुहिम चला रखी है। तालिबान हुकूमत इसे ह्यमानवीय संकटह्ल मानती है। बंदरगाहों के जरिए जो व्यापार होता है, वह भी तनाव और झड़प का बुनियादी कारण है।

मोज शोख के लिए फटाके फोड़ो, लेकिन उसे धर्म और परंपरा से न जोड़ो

भारत में दीवाली का त्योहार रोशनी, रंगोली, और खुशियों का प्रतीक है। यह वह समय है जब हम अपने घरों को दीयों से सजाते हैं, मिठाइयाँ बाँटते हैं, और अपनों के साथ उत्सव मनाते हैं। लेकिन पिछले कुछ दशकों में, दीवाली का एक और पहलू चर्चा में रहा है—फटाके। फटाकों का शोर, धुआँ, और पर्यावरण पर उनका प्रभाव अब एक गंभीर बहस का विषय बन चुका है। सवाल यह है कि क्या फटाके वाकई हमारी दीवाली की परंपरा का हिस्सा हैं? और क्या इन्हें धर्म से जोड़ना उचित है?

भारत में फटाकों का इतिहास

भारत में फटाकों का इतिहास ज्यादा पुराना नहीं है। इतिहासकारों के अनुसार, फटाकों की शुरूआत चीन में हुई थी, और भारत में ये मध्यकाल में, लगभग 15वीं-16वीं सदी में, मुगल शासकों के समय प्रचलन में आए। उस समय फटाकों का उपयोग युद्ध, समारोहों, और शाही उत्सवों में होता था। दीवाली जैसे धार्मिक पर्वों में फटाकों का व्यापक उपयोग 20वीं सदी में ही शुरू हुआ। यानी, फटाके हमारे हजारों साल पुराने सांस्कृतिक इतिहास का हिस्सा नहीं हैं। फिर भी, आज इन्हें दीवाली की परंपरा का अभिन्न अंग मान लिया गया है।

दीवाली में परंपरा का इतिहास और विज्ञान।
दीवाली का मूल आधार हैप्रकाश और ज्ञान का उत्सव। यह पर्व श्री राम के अयोध्या लौटने की खुशी में मनाया जाता है, जब नगरवासियों ने दीयों से उनका स्वागत किया था। दीये, रंगोली, और मिठाइयाँ दीवाली की आत्मा हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से, मिट्टी के दीये जलाने से वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। तेल और बाती का दहन न केवल प्रकाश देता है, बल्कि पर्यावरण को शुद्ध करने में भी मदद करता है। वैसे ही घी में किए गए दिए बहुत मात्रामे ऑक्सीजन उत्पन्न करते हे। साथमे रंगोली बनाने की परंपरा रचनात्मकता और सौंदर्य को बढ़ावा देती है, जो मन और आत्मा को सुकून देती है।और आपकी कला प्रस्तुत करने का मौका देती हे।

दूसरी ओर, फटाकों का वैज्ञानिक प्रभाव चिंताजनक है। फटाकों से निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषण को बढ़ाता है, जिसमें कार्बन डाइऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड, और अन्य हानिकारक कण शामिल होते हैं। यह न केवल मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि पशु-पक्षियों और पर्यावरण को भी नुकसान पहुँचाता है। शोर प्रदूषण से बच्चों, बुजुर्गों, और पालतू जानवरों को गंभीर परेशानी होती है। फिरभी दुख तो तब होता हे जब हम अपने धर्म को दूसरे धर्म को जोड़के बोलते हे की दीवाली हे तो फटाके फोड़ेंगे वह धर्म को यह कहो वह कहो।इससे यह लगता हे की 400 साल पुराने फटाके हजारों साल पुराने इतिहास पर भारी?हमारा सांस्कृतिक इतिहास हजारों साल पुराना है, जिसमें दीवाली का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व गहराई से जुड़ा है। लेकिन फटाके, जो केवल 400-500 साल पहले भारत आए, क्या वाकई इस प्राचीन परंपरा का हिस्सा हो सकते हैं? फटाकों को दीवाली से जोड़ना एक आधुनिक चलन है, जिसे हमने मनोरंजन के लिए अपनाया। यह शोख और उत्साह का प्रतीक हो सकता है, लेकिन इसे धर्म या परंपरा का हिस्सा मानना गलत है।हमारे शास्त्रों में दीवाली का उल्लेख दीयों, पूजा, और भक्ति के साथ है, न कि शोर और धुएँ के साथ।फटाकों को धर्म से जोड़कर आप धर्म के विरुद्ध जा रहे हैं। हिंदू धर्म में प्रकृति को पूजनीय माना गया है। नदियाँ, पर्वत, वृक्ष—सबको देवता के रूप में देखा जाता है। दीवाली का असली संदेश है अंधेरे पर प्रकाश की जीत, अज्ञान पर ज्ञान की विजय। फटाकों का धुआँ और शोर न तो प्रकाश बढ़ाता है, न ही ज्ञान। यह केवल क्षणिक मोज देता है, जिसका मूल्य पर्यावरण और स्वास्थ्य के नुकसान के रूप में चुकाना पड़ता है।

फटाकों को धर्म से जोड़कर हम अनजाने में अपने ही धर्म के मूल्यों के खिलाफ कार्य कर रहे हैं।धर्म हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाने की सीख देता है, न कि उसे नष्ट करने की। फटाकों के उपयोग को धार्मिक कृत्य मानना न केवल गलत है, बल्कि यह हमारे धर्म की मयार्दा को भी ठेस पहुँचाता है।दीए और रंगोली का धार्मिक महत्वदीवाली में दीये जलाने का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। दीया आत्मा का प्रकाश है, जो हमें अंधकार से मुक्ति की ओर ले जाता है। रंगोली का महत्व भी गहरा है—यह घर में सकारात्मक ऊर्जा को आमंत्रित करती है और समृद्धि का प्रतीक है। ये परंपरा न केवल पर्यावरण के अनुकूल हैं, बल्कि हमारे मन को शांति और समृद्धि का अनुभव भी कराती हैं। इन्हें अपनाने से हम अपनी संस्कृति को जीवित रखते हैं और प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाए रखते हैं।आपका जीवन दीयों की तरह प्रकाशमय हो, और रंगोली की तरह रंगीन! मिठाई की तरह मीठा रहे और परिवार में सुख , शांति समृद्धि बनी रहे।

लेखक-प्रतीक संघवी, राजकोट

कितने खुरदरे पन्नों पर चर्चा

कसौली में देश की नब्ज, अतीत के झरोखे और समय की अनुगूंज का सार यही कि हमारे कदमों में कीचड़ भरता रहा और भर रहा है। आश्चर्य यह कि साहित्यिक, सामाजिक, राष्ट्रीय और सांस्कृतिक संवाद की परिपाटी में जुर्म के फैसले आज भी कांग्रेस को कठघरे में रखते हैं, जबकि लोकतंत्र के बचाव में पिछले एक दशक की गणना कमजोर रही। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के दौर से निकले ब्लू स्टार आपरेशन और श्रीलंका में शांति अभियान के खुरदरे पन्नों ने चर्चा को फिर कहीं जख्मी किया। कसौली लिटफेस्ट में पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम का मुकाबला हरिंदर बावेजा की किताब से हो रहा, तो जाहिर है कि परतें शर्मिंदा होने की जिरह में मजबूर रहीं, लेकिन कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने अपनी ही पार्टी के निकम्मेपन की कब्र खोद दी। यानी लिटफेस्ट की उपलब्धि देखें, तो कांग्रेस बैकफुट पर अपने ही अतीत की बोली लगा रही है। पार्टी के केंचुए दौड़ तो रहे, लेकिन रीढ़विहीन संगठन की तलाशी में नेताओं के किंतु-परंतु और निशाने असमंजस में हैं। कसौली जितना अतीत में, उतना आज को नहीं देख पाया और भविष्य की संगत के लिए यह भीड़ मुनासिब नहीं थी। धारा 370 हटाने से शब्दों की चित्रकारी का सुकून देखा नहीं गया, लेकिन पूर्व रॉ प्रमुख ए एस दुलत ने घाटी से फरेब की कसौटियां खोलकर देश को फिर से पुराने चश्मों की याद दिलाई। माहौल में छाई नफरत और दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के कंकाल टांगने के बजाय राजनय को फिर से काम पर लगाने की सोहबत सिखाई गई। सोनम वांगचुक क्या राष्ट्रीय दुश्मन हैं या उनके खिलाफ खड़ा होकर देश लद्दाख से चीन को सबक सिखाएगा। यह तिनके बराबर चर्चा है कि हम ऐसे विषयों के हाशियों पर एक पूरे लिटफेस्ट की सुर्खी ढूंढ लाते हैं। साहित्य की बैसाखियों में कसौली लिटफेस्ट कितना चला। जाहिर है इंदिरा और राजीव गांधी के कार्यकाल की वैचारगी आज भी कुंठित व वर्तमान व्यवस्था के अंधेरों को फुसफुसाने का एक बहाना दे गई, वरना राष्ट्र भी अब ऐसी संभ्रांत चचाओं के आकाश में अपनी लाठियां उसी तरह भांज रहा है, जिस तरह सत्ता के फिकरे मीडिया की जुबान में दर्ज हुए। राहत हुई कि कुछ बहस हुई, वरना कसौली का ह्यवॉयस ऑफ टुमॉरोह्ल थीम कहीं पैदा ही न होता। कल के लिए आज की बहस का मसौदा क्या श्रीलंका, आपरेशन ब्लू स्टार से कुछ नया हासिल कर पाया या पिछले दशक के कदमों के नीचे सोए हुए विचार को जगाया गया। हम हाल के सालों में नोटबंदी से गुजरे हैं, तो आर्थिक मंदी के बावजूद जीएसटी की सतह पर हारते रुपए की अस्मिता को देखने लगे हैं। हम युद्धक्षेत्र में हैं तो दुश्मन घर से पड़ोस तक खोज लाए, लेकिन आज का भारत अपनी दहलीज से बाहर श्रीलंका, मालदीप, नेपाल, म्यांमार, बांग्लादेश, चीन और पाकिस्तान से कैसे दिखाई देता है, यह कौन देख रहा। संभ्रांत चचाओं में भारत के गांव में लगी आग, किसान के खेत में छाया कोहराम और विश्वविद्यालयों में ठहर सा गए युवा की वकालत को इस लिटफेस्ट में कौन सुन पाया। कौन कह पाया कि भारतीय मीडिया अब कह नहीं पाता और कौन सुन पाया कि देश में बुलडोजर ने समाज के भीतर भी एक पाकिस्तान पैदा कर दिया है। फिल्मों के अमोल पालेकर अपने चित्रकार होने की तूलिका से वो रंग देख पाए जो ह्यवैमनस्य की फाइलह्ल से वीभत्स रंग चुरा कर फिल्में बना रहे हैं। क्या कसौली लिटफेस्ट पूर्व रॉ प्रमुख के साथ खड़ा होकर अतीत के पिंजरों से बाहर नए भारत की भूमिका में पाक से बातचीत का तर्क समझ पाया।

राशिफल

मेष राशि :- भाग्य का सितारा साथ देगा, इष्ट मित्र सहयोगी होंगे, रुके कार्य अवश्य ही बनेंगे ध्यान दें।

वृष राशि :- इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, मनोबल बनाये रखें, रुके कार्य सूझ-बूझ से बना लें, कार्य पर ध्यान अवश्य दें।

मिथुन राशि :- इष्ट मित्रों से परेशानी होगी, कष्ट होगा, मानसिक अशांति से कार्य में बाधा बनेगी, धैर्य अवश्य रखें।

कर्क राशि :- मान-प्रतिष्ठा व प्रभुत्व वृद्धि होगी, स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास व समृद्धि के साधन बनेंगे, सुख मिलेगा।

सिंह राशि :- कार्यगति अनुकूल रहेगी, सामाजिक कार्यों में प्रभुत्व वृद्धि होगी, साधन-सम्पन्नता के योग बनेंगे ध्यान दें।

कन्या राशि :- कुटुम्ब की परेशानी से चिन्ता व व्याग्रता रहेगी, उद्विघ्नता से बचें, कार्य अवरोध संभव है, शांत मन से कार्य करें।

तुला राशि :- धन हानि होगी, मानसिक कष्ट होगा, शारीरिक बेचैनी तथा व्यर्थ भ्रमण में समय व धन नष्ट होगा, अपव्यय से बचें।

वृश्चिक राशि :- इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, अधिकारी वर्ग से लाभ होगा, समर्थन फलप्रद रहेगा, कार्यगति पर ध्यान अवश्य दें।

धनु राशि :- कार्य कुशलता से संतोष होगा, दैनिक समृद्धि के साधन बनेंगे, समय का ध्यान रखें, कार्यगति का ध्यान रखें।

मकर राशि :- दैनिक कार्यगति में सुधार होगा, योजना फलीभूत होगी, रुके कार्य परिश्रम से बनेंगे, कार्य योजना पर ध्यान दें।

कुंभ राशि :- विशेष कार्य स्थगित रखें, मानसिक विभ्रम रहेगा किन्तु उद्विघ्नता से बचिये, समय को ध्यान में रखकर आगे बढ़ें।

मीन राशि :- कार्य विफलत्व से हानि, प्रयत्न करने पर भी सफलता दिखाई न दे, कार्य अवरोध होगा, सावधानी अवश्य रखें।

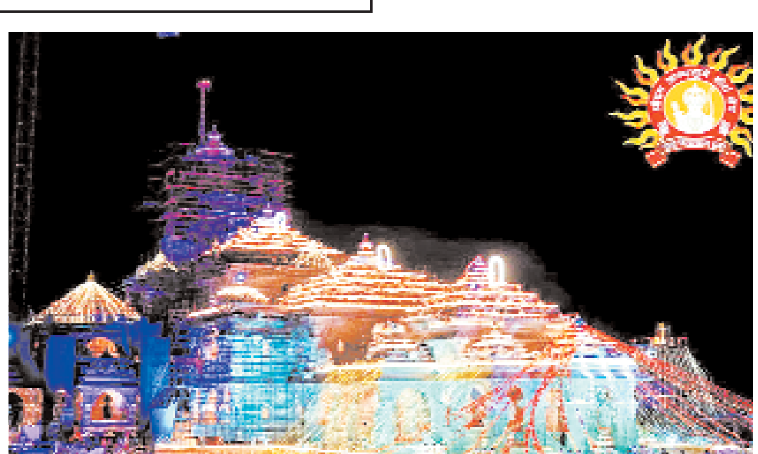

अयोध्या से दक्षिण तक! इस दिवाली करें देशभर के प्रसिद्ध राम मंदिरों के दर्शन

देशभर दीवाली का त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार प्रभु श्रीराम विजयदशमी पर रावण का बाद करने के बाद अमावस्या के दिन अयोध्या पहुंचे थे। जिसे खुशी में अयोध्यावासी ने भगवान राम के स्वागात में हर जगह घी के दिया जलाकर पूरी अयोध्या नगरी को जगमग कर दिया था। तभी से दिवाली का त्योहार रोशनी के साथ हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया जाने लगा। यदि आप भी दिवाली पर प्रुभ श्री राम के मंदिरों के दर्शन करना चाहते हैं, तो भारत के इन लोकप्रिय मंदिरों का दर्शन करें।

हिंदू धर्म में दिवाली का त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है। कहा जाता है कि रावण का वध करके, 14 वर्ष के वनवास के बाद भगवान राम अयोध्या लौटे, जिसके बाद प्रभु की स्वागात के लिए अयोध्यावासियो ने नगरी को दुल्हन की तरह सजा दिया। श्री राम के आयोध्या पाधरने पर दीए जले, आतिशबाजी हुई। दिवाली पर्व पर माता लक्ष्मी-गणेश की पूजा की जाती है। दिवाली पर प्रभु राम की पूजा भी की जाती है। कई लोग भगवान राम के मंदिर में जाकर दर्शन करते हैं। अगर आप भी अपने त्योहार को खास बनाना चाहते हैं, तो दिवाली के मौके पर देश के प्रसिद्ध मंदिरों के बारे में बताएंगे।

अयोध्या का राम मंदिर

अयोध्या की दिवाली सबसे लोकप्रिय है। इस मौके पर अयोध्या का राम मंदिर के दर्शन करना किसी सौभाग्य से कम नहीं है। भगवान राम की जन्मभूमि अयोध्या है। दिवाली के खास मौके पर यहां पर भक्तों की लाखों भीड़ देखने को मिलती है। इसलिए आप अपनी दिवाली को खास बनाने के लिए श्री राम जन्मभूमि जरुर जाएं।

कलाराम मंदिर, नासिक

महाराष्ट्र के नासिक पंचवटी में यह मंदिर स्थित है। कहा जाता है कि भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण जी के साथ वनवास पर गए थे, तब दस वर्ष के बाद वो पंचवटी में गोदावरी किनारे रहने आए थे। इस मंदिर निर्माण की कही काफी दिलचस्प है। कहा जाता हैकि सरदार रंगारू ओधेकर ने सपना देखा कि प्रभु श्री राम की एक काली मूर्ति गोदावरी नदी में है। इसके बाद मूर्ति को निकाला गया, इसलिए इस मंदिर का नाम कलाराम रखा गया है। दिवाली के मौके पर आप इस मंदिर का दर्शन जरुर करें।

राम राजा मंदिर, मध्य प्रदेश

यह भारत का एक ऐसा मंदिर है जहां पर श्री राम भगवान के रुप में नहीं, एक राजा के रुप में पूजे जाते है। इस मंदिर के पीछे एक प्रचलित कहानी है कि यहां की मूर्ति को कहीं और रखा जाना था लेकिन एक बार मूर्ति जहां रख गई, वहां से दोबारा हिलाने की हिम्मत नहीं हुई। बता दें कि, यह मंदिर एक भव्य किले के रुप में बना है। यहां हर दिन गार्ड ऑफ ऑनर किया जाता है। इतना ही नहीं, राजा राम को शस्त्र की सलामी दी जाती है। दिवाली के अवसर पर जरुर इस मंदिर में जाएं।

रामास्वामी मंदिर, तमिलनाडु

दक्षिण भारत में रामस्वामी मंदिर बहुत ही सुंदर बना हुआ। इसे दक्षिण भारत की अयोध्या भी कहा जाता है। यह मंदिर तमिलनाडु में स्थित है। इस मंदिर में श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण जी की मूर्ति के साथ ही भरत और शत्रुघ्न जी की मूर्तियां भी विराजित है। अगर आप दक्षिण भारत की दिवाली देखना चाहते हैं, तो इस मंदिर में जरुर जाएं।

त्रिप्रायर मंदिर, केरला

केरल का यह मंदिर सबसे लोकप्रिय है। इस मंदिर के पीछे की कहानी है कि प्रभु श्री राम की मूर्ति को स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने स्थापित किया था। त्रिप्रायर मंदिर में लोग दूर-दूर से लाखों भक्त दर्शन करने आते हैं। धार्मिक मान्यता है कि यहां आने वाले भक्तों को बुरी आत्मा और नजर दोष से मुक्ति मिल जाती है। आप भी दिवाली पर्व के दौरान इस मंदिर के दर्शन करने जा सकते हैं।

ओवरी कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का आसान उपाय

ब्रेस्टफीडिंग कराने से न सिर्फ बच्चे के लिए बल्कि मां के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है। यह बच्चे को पोषण देने और इम्यूनिटी देती है और मां के लिए कई गंभीर बीमारियों से बचाव में मददगार साबित हो सकता है। रिसर्च और एक्सपर्ट की मानें, तो ब्रेस्टफीडिंग से महिलाओं में ओवरी कैंसर का खतरा काफी हद तक कम हो सकता है। बता दें कि ब्रेस्टफीडिंग नेचुरल प्रोटेक्टिव फैक्टर की तरह काम करती है। यह महिलाओं के शरीर में पीरियड्स को कुछ समय रोकने, हार्मोनल बैलेंस बनाए रखने और ओवरी पर पड़ने वाले तनाव को कम करने का काम करती है। यही वजह है कि ब्रेस्टफीडिंग कराने वाली महिलाओं में कैंसर का खतरा कम होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ओवरी कैंसर के रिस्क फैक्टर्स और ब्रेस्टफीडिंग की प्रोटेक्टिव भूमिका के बारे में बताने जा रहे हैं।

ओवरी कैंसर के रिस्क फैक्टर्स

40 साल की उम्र के बाद ओवरी कैंसर का खतरा बढ़ जाता है और वहीं 65 साल की उम्र में इसके सबसे ज्यादा मामले देखे जाते हैं। अगर परिवार के पहले किसी को ओवरी कैंसर या फिर ब्रेस्ट कैंसर हुआ है, तो इसका खतरा अधिक होता है।

जिन महिलाओं को संतान नहीं हुई है, उनमें भी यह खतरा बढ़ सकता है। जो महिलाएं ब्रेस्डफीडिंग नहीं कराती हैं, उनमें भी ओवरी कैंसर का खतरा ज्यादा पाया गया है। गर्भधारण के लिए दवाओं का सेवन करने से भी ओवरी कैंसरका खतरा कुछ हद तक बढ़ सकता है। ज्यादा वजन भी ओवरी कैंसर के रिस्क फैक्टर्स में से एक है।

ब्रेस्टफीडिंग घटाती है ओवरी कैंसर का खतरा

इसको समझने के लिए हमको ओवरी कैंसर के कुछ मुख्य रिस्क फैक्टर्स को भी समझना होगा। इसका प्रमुख कारण ओव्यूलेशन प्रोसेस होता है। जब महिला प्रेग्नेंट होती है और ब्रेस्टफीडिंग कराती हैं, तो कुछ समय के लिए पीरियड्स और ओव्यूलेशन का प्रोसेस रुक जाता है। ऐसा होने पर ओवरीज को आराम मिलता है। इस समय ओवरीज को मिलने वाले आराम की वजह से ओवरी की कोशिकाओं को दोबारा ठीक होने का समय मिल जाता है। जिससे असामान्य कोशिकाओं के विकसित होने का खतरा कम हो जाता है। ब्रेस्टफीडिंग से शरीर का हार्मोनल बैलेंस में सुधार होता है और एस्ट्रोजन लेवल कंट्रोल में रहता है।

कम खर्च में पाएं पार्लर जैसा निखार, घर पर बनाएं यह बॉडी स्क्रब

ज्यादातर महिलाएं अपनी खूबसूरती को बढ़ाने और अपने लुक को गॉर्जियस बनाने के लिए पार्लर में हजारों रुपए खर्च कर कई तरह के ट्रीटमेंट लेती हैं। तो वहीं कुछ महिलाएं हर मार्केट से महंगे बॉडी स्क्रब खरीदकर उसका इस्तेमाल करती हैं। जिसका उनकी जेब पर असर पड़ता है। ऐसे में अगर आप भी उन महिलाओं में से एक हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे होममेड बॉडी स्क्रब के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके इस्तेमाल से आप कम खर्च में अपनी सुंदरता में चार चांद लगा सकती हैं। **घर पर बनाएं बॉडी स्क्रब :** ब्यूटी एक्सपर्ट के मुताबिक अगर आप भी बॉडी पर होने वाली टैनिंग से परेशान हो गई हैं और मार्केट के महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। तो आपको अब परेशान होने की जरूरत नहीं है।

क्योंकि आप घर पर कुछ चीजों के इस्तेमाल से आसानी से बॉडी स्क्रब बनाकर तैयार कर सकती हैं। इसको बनाने के लिए कुछ चीजों की जरूरत होती है, जोकि आपके घर में आसानी से मिल जाएंगी।

सामग्री : कॉफी पाउडर, नारियल तेल, चीनी, शहद दही **ऐसे बनाएं बॉडी स्क्रब :** घर पर बॉडी स्क्रब बनाने के लिए एक कटोरी में थोड़ा कॉफी पाउडर निकाल लें। अब इसमें चीनी और एक बड़ा चम्मच शहद मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें। फिर इस पेस्ट में थोड़ा सा नारियल तेल और बड़ा चम्मच दही मिलाएं और अच्छे से फेंट लें। आप चाहें तो इस पेस्ट में ग्लिसरीन या फिर गुलाबजल भी मिला सकती हैं, यह खुशबू के लिए अच्छा रहता है। अच्छे से पेस्ट को मिक्स करने के बाद इसको बॉडी पर अप्लाई करें और हल्के-हल्के हाथों से मसाज करें। इस स्क्रब से बॉडी मसाज करने से शरीर पर जमा गंदगी और टैनिंग खत्म होती है। इस बॉडी स्क्रब के इस्तेमाल से आप मार्केट से महंगे खर्च से बच सकती हैं और कम पैसे में अपने शरीर को खूबसूरत बना सकती हैं।

दस्तावेजों पर पर्दा डालने में जुटा सचिव....

चिरचिरा पंचायत में भ्रष्टाचार की परतें खुलने लगीं

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी - केवलारी भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार लगातार सख्त रुख अपना रही है, लेकिन इसके बावजूद कुछ पंचायतों में अनियमितताओं का खेल रुकने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसा ही एक मामला केवलारी जनपद की ग्राम पंचायत चिरचिरा से सामने आया है, जहाँ पूर्व सचिव सुखदेव सिंह ठाकुर के कार्यकाल में हुए कथित भ्रष्टाचार को छुपाने के आरोप अब वर्तमान सचिव शेलू ठाकुर पर लग रहे हैं। पंचायत में फजीवाड़े और वित्तीय अनियमितताओं की शिकायतें लंबे समय से होती रही हैं, मगर कार्रवाई के अभाव में जिम्मेदारों के हौसले बुलंद दिखाई दे रहे हैं।

रेवांचल टाइम्स फालोअप

भ्रष्टाचार की परंपरा और बचाव का खेल

जानकारी के अनुसार, पूर्व सचिव सुखदेव सिंह ठाकुर पर पंचायत में लाखों रुपये के गबन और फर्जी बिल भुगतान जैसे गंभीर आरोप लग चुके हैं। इस संबंध में कई बार स्थानीय नागरिकों और आरटीआई कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन तक शिकायतें भेजीं, लेकिन जांच प्रक्रिया धीमी पड़ गई। अब आरोप यह है कि वर्तमान सचिव शेलू ठाकुर जानबूझकर संबंधित दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा रहे, ताकि पूर्व सचिव के कार्यकाल के घोटाले उजागर न हों।सूत्रों का कहना है कि पंचायत के निर्माण कार्यों, मजदूरी भुगतान, प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय निर्माण एवं मनरेगा मद के खर्चों में भारी अनियमितताएँ हुई हैं। इन सभी मदों के दस्तावेजों की मांग सूचना के अधिकार (फ्ळक) के तहत की गई थी।

आरटीआई एक्टिविस्ट ने लगाए गंभीर आरोप

आरटीआई एक्टिविस्ट एवं समाजसेवी अखिलेश बन्देवार ने बताया कि उन्होंने पंचायत के भ्रष्टाचार से संबंधित शिकायतें साक्ष्य सहित संबंधित अधिकारियों को दी थीं, लेकिन किसी भी स्तर पर कार्रवाई नहीं की गई।

उन्होंने कहा –

पूर्व सचिव सुखदेव सिंह ठाकुर के कार्यकाल में भ्रष्टाचार चरम पर था। पंचायत में योजनाओं के नाम पर फर्जी भुगतान और अपूर्ण कार्यों का बिल पास किया गया। मैंने इस संबंध में फ्ळक के माध्यम से दस्तावेज मांगे थे, लेकिन वर्तमान सचिव मुझे जानकारी देने से लगातार बच रहे हैं। यह साफ इशारा है कि भ्रष्टाचार को छुपाने की कोशिश चल रही है। अखिलेश ने कहा कि अगर मांगे गए दस्तावेज उपलब्ध कराए जाएँ, तो चिरचिरा पंचायत में हुए बड़े घोटाले और फजीवाड़े की परतें खुल सकती हैं।

मंगलवार 23 सितम्बर 2025 | 5

चिरचिरा पंचायत का भ्रष्टाचार चरम सीमा पर

दस्तावेज दे रहे हैं भ्रष्टाचारों के प्रमाण, मगर शिकायतों के बाद भी नहीं हुई कार्यवाही

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। इन दोनों भ्रष्ट और भ्रष्टाचार को मिटाने के लिए सरकार अथक प्रयासों में लगी हुई है वहीं भ्रष्टाचार हावी होते नजर आ रहा है निरंतर भ्रष्टाचारियों के हौसले बुलंद होते नजर आ रहे हैं जो इस बात का प्रमाणीकरण दे रहा है कि जिम्मेदारों के संरक्षण में भ्रष्टाचार अपनी चरम सीमा पर है। वहीं इसी तर्ज में मामला सामने आया है केवलारी जनपद जो पूर्व से भ्रष्टाचार अनियमितताओं एवं करोड़ों के भ्रष्टाचारों को लेकर अखबार एवं प्रशासन की सुर्खियों में बनी हुई है। वहीं आए दिन विभिन्न पंचायतों के भ्रष्टाचार के मामले आए दिन उजागर हो रहे हैं। जिससे यह स्पष्ट हो जाता है कि केवलारी जनपद भ्रष्टाचार का गढ़ बनी हुई है वहीं भ्रष्ट सचिवों सरपंचों एवं जनप्रतिनिधियों के हौसले मजबूत नजर आ रहे हैं। जिनके चलते भ्रष्टाचार की एक अलग गाथा लिख रही है केवलारी जनपद एवं पंचायतें कार्यवाही के नाम पर निरंतर नाकामी का परिचय देने वाले जिम्मेदार लोग धृतराष्ट्र बन बैठे हैं। वहीं दूसरी ओर कार्यवाही न होने के चलते भ्रष्टाचारियों के हौसले बुलंद होते नजर आ रहे हैं। इसी तर्ज में एक और पंचायत का मामला सामने आया है केवलारी जनपद के अंतर्गत आने वाली ग्राम चिरचिरा पंचायत का है। जो पूर्व से भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचारों को लेकर अखबारों एवं प्रशासन की सुर्खियों में बनी हुई है वहीं दूसरी ओर शिकायत के बाद भी भ्रष्टाचारियों के ऊपर जिम्मेदारों द्वारा कार्यवाहियां ना होना आज है मुद्दा बना हुआ है एक और दस्तावेज दे रहे हैं प्रमाणीकरण मगर जिम्मेदार कार्यवाही के नाम पर दे रहे हैं नाकामी का परिचय।

शिकायतों के बाद भी नहीं हुई कार्यवाही

जिम्मेदारों द्वारा लिखित प्रमाणित शिकायतों के बाद भी कार्यवाही न करना पंचायती राज पर बहुत बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा कर रही है। साथ ही भ्रष्टाचारों के ऊपर कार्यवाही ना होना भ्रष्टाचारियों के हौसले बुलंद कर रहा है।

इस संबंध में इनका कहना है कि.....

शिकायतकर्ता द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि मेरे द्वारा चिरचिरा पंचायत के भ्रष्टाचार एवं अन्य अनियमितताओं लेकर जिला कलेक्टर समेत संबंधित अधिकारियों को लिखित साक्ष्यमय शिकायत की गई थी मगर आज

सूचना अधिकार की खुली अवहेलना.....

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अनुसार किसी भी नागरिक को सरकारी विभागों से निर्धारित समयावधि में जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है। यदि अधिकारी जानबूझकर सूचना देने में विलंब करते हैं या मना करते हैं, तो यह दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। बावजूद इसके, चिरचिरा पंचायत का मामला इस अधिनियम की खुली अवहेलना बन गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी न केवल कानून की धज्जियाँ उड़ा रहे हैं बल्कि भ्रष्टाचार को संरक्षण भी दे रहे हैं।

प्रशासनिक कार्रवाई की मांग.....

अखिलेश बन्देवार ने जिला पंचायत सीईओ, जनपद पंचायत केवलारी सीईओ एवं कलेक्टर सिवनी से मांग की है कि वे तत्काल जांच टीम गठित कर पंचायत में हुए भ्रष्टाचार और दस्तावेजों की हेराफेरी की जांच करवाएं। साथ ही सूचना देने में आनाकानी करने वाले सचिवों पर सूचना अधिकार अधिनियम की धारा 20 के तहत कार्रवाई की जाए।

ग्रामीणों में बढ़ रहा असंतोष....

पंचायत क्षेत्र के ग्रामीणों में भी भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर रोष व्याप्त है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि ग्राम पंचायत के अधिकांश कार्य अधूरे हैं, लेकिन भुगतान पूरा कर दिया गया है। पंचायत भवन, सीसी रोड, नाली और हैंडपंप मरम्मत जैसे कामों में गुणवत्ता की भारी कमी बताई जा रही है।ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि शिकायतें करने के बाद भी जनपद स्तर से कोई जांच नहीं की जाती, जिससे ग्राम स्तर पर जवाबदेही खत्म होती जा रही है।

क्या कहता है प्रशासन....

इस मामले में संबंधित अधिकारियों का पक्ष अभी तक सामने नहीं आ सका है। हालांकि पंचायत स्रोतों के अनुसार, मामला उच्चाधिकारियों तक पहुंच चुका है और शीघ्र जांच कराए जाने की संभावना है।

सलेहा थाना में पशु क्रूरता अधिनियम के तहत की गई कार्यवाही

दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। अवैध तरीके से पशुओं का परिवहन की सूचना पर सलेहा थाना पुलिस द्वारा कार्यवाही की गई है प्रधान रक्षक गोविंद सिंह आरक्षक बबलू पटेल आरक्षक शैलेंद्र सिंह के द्वारा सूचना की तसतीक हेतु रवाना किया गया भमरहा तिराहा देवेंद्र नगर रोड में कटन तरफ से एक छोटा हाथीवाहन आ रहा था जिसको को सदेह के आधार पर चैक किया गया जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर एमपी 19 एल 0697 जिसकी बॉडी में अनूप अर्पित पारो लिखा था जिसे रोक कर चेक किया ड्राइवर का नाम पूछा जिसने अपना नाम संजू वासुदेव पिता रतन वासुदेव उम्र 19 वर्ष निवासी मढ़ी थाना नागौद जिला सतना का होना बताया छोटा हाथी ऊपर देखा तो छोटा हाथी के अंदर छोटे बड़े भैंस पड़ा निर्दियिता पूर्वक ठूस ठूस भरे हुए थे पशुओं को खाने-पीने की व्यवस्था नहीं थी पशुओं को उतार कर गणना की गई तो 6नग छोटे बड़े भैंस पड़ा थे चालक से पशु ले जाने के कागजात पूछे तो कोई बेध कागज नहीं थे चालक का यह कृत्य धारा 11(1) घ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम अपराध घटित पाया गया छोटा हाथी की कीमत एक लाख छह? हजार पशुओं की कीमत एक लाख कुल कीमत 2 लाख का मशरुका जप्त किया गया वैधानिक कार्यवाही के बाद मामले को वेवचना में लिया गया। सम्पूर्ण कार्यवाही थाना प्रभारी बलवीर सिंह के नेतृत्व में। प्रधान आरक्षक गोविंद सिंह आरक्षक बबलू पटेल आरक्षक शैलेंद्र सिंह ने की

यातायात पुलिस के द्वारा आर.पी. हाई स्कूल पन्ना के छात्र / छात्राओं को यातायात नियमों राह वीर योजना की दी विस्तृत जानकारी

दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती वंदना सिंह चौहान के दिशा निर्देशन में थाना प्रभारी यातायात नीलम लक्षकार ने आर.पी. हाई स्कूल पन्ना के छात्र / छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए सड़क किनारे लगने वाले सांकेतिक चिन्हों, रोड साईन (आदेशात्मक, चेतावनी एवं सूचनात्मक),यातायात पुलिस द्वारा दिए जाने वाले सिग्नल, चौराहो पर लगे इलेक्ट्रानिक सिग्नल व उनके मीनिंग के विषय में विस्तृत जानकारी दी गयी साथ ही सड़क दुर्घटनाओं की वर्तमान स्थिति एवं कारणों के विषय में बताया गया जिसमें बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में हो रही बढ़ोत्तरी का प्रमुख कारण तेजगति गति से वाहन चलाना, नशे की हालत में वाहन चालन,उचित ब्रेकिंग डिस्टेन्स न रखना, गलत तरीके से ओवरटेक करना, बिना हेलमेट, बिना सीटबेल्ट वाहन चलाना, मोबाइल पर बात करते वाहन चलाना, ओवर लोडिंग वाहन एवं खराब सड़के रोड एक्सीडेन्ट के लिए जिम्मेदार हैं इनसे बचने के लिए यातायात नियमों का पालन कर निर्धारित गति में वाहन चालन, हेलमेट, सीट बेल्ट जैसे इक्युमेण्ट का उपयोग करना चाहिए । सड़क दुर्घटना में पीड़ित व्यक्ति को तुरंत अस्पताल पहुंचाना चाहिए ताकि उसकी जान बच सके इसके लिए बच्चों को राह वीर योजना के बारे में भी बताया गया कि पीड़ित व्यक्ति की मदद करने पर शासन द्वारा पच्चीस हजार रुपए का ईनाम भी दिया जाता है । बच्चों को राइट ऑफ वे के विषय में भी बताया गया । सड़क पर चलते समय हमें पहले आपातकालीन सेवाओ में संलग्न वाहनों जैसे एम्बुलेंस, फायरब्रिगेड को पहले जाने के लिए रास्ता देना चाहिए अगले क्रम में दिव्यांग व्यक्ति, पैदल व्यक्ति साइकिल चालक को पहले निकलने के लिए रास्ता देना चाहिए आदि विषय के साथ साथ एक्सीडेंट के कारण, बचाव हेतु सावधानियाँ,राइट ऑफ वे, इमरजेंसी केयर व साइकिल चलाते समय कौन-कौन सी बातों का ध्यान रखना चाहिए आदि विषयों पर भी विस्तृत जानकारी दी गयी, इसके अलावा शहर के प्रमुख चौराहों, भीड़-भाड़ वाले स्थानों जैसे की बस स्टेण्ड, बडा बाजार आदि पर राहवीर योजना के प्रचार प्रसार अंतर्गत यातायात पुलिस द्वारा बैनर लगाये जाकर पंपलेट वितरित कर आमजन को राहवीर योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी ।

पुनः की अधिकारियों से शिकायत

पूर्व C S P की नानी ने पूर्व S P रंजन और पुलिस अफसरों पर लगाया प्रताड़ना का आरोप

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। तत्कालीन सीएसपी ख्याति मिश्रा की नानी कुसुम द्विवेदी ने पूर्व एसपी अभिजीत रंजन सहित कटनी के कई पुलिसकर्मियों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायती आवेदन दिया है। अपने पत्र में उन्होंने स्पष्ट किया है कि उनके परिवार के सदस्यों को लंबे समय से प्रताड़ित किया जा रहा है, लेकिन आज तक इस मामले में किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गई। कुसुम द्विवेदी ने इस पूरे मामले की शिकायत उच्च स्तर पर करते हुए प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री, मुख्यमंत्री, एसीएस होम, एसीएस टू सीएम, डीजीपी और आईजी रीवा को पत्र भेजा है। इसमें उन्होंने पुलिस प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाते हुए न्याय दिलाने की मांग की है। शिकायत में कहा गया है कि पुलिस अधिकारियों के दबाव और लापरवाही के कारण उनका परिवार लगातार मानसिक और सामाजिक प्रताड़ना झेल रहा है। वहीं, आवेदन पर अब तक कोई संज्ञान न लिए जाने से परिवार में आक्रोश है।

योजनाओं और गतिविधियों में प्रगति लाने सेक्टर ढीमरखेड़ा और खमतरा की ग्राम पंचायतों की जनपद सभाकक्ष ढीमरखेड़ा में हुई समीक्षा बैठक

2 दिवस में लाओं प्रगति नहीं होगी सख्त कार्यवाही

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। मंगलवार को जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा के सभागार में जनपद पंचायत के सीईओ श्री यजुवेंद्र कोरी की अध्यक्षता में सेक्टर ढीमरखेड़ा और खमतरा क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में संचालित योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा हेतु बैठक का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने वीसी के माध्यम से सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का संतुष्टि पूर्ण निराकरण कराने के साथ-साथ एक बगिया मां के नाम, मनरेगा,समग्र ई-केवाईसी, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) तथा अन्य निर्माण एवं विकास कार्यों में प्रति दिवस निगरानी करते हुए प्रगति लाने के निर्देश दिए हैं। इसी अनुक्रम में जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा के सीईओ श्री कोरी द्वारा सहायक यंत्री अजय केसरवानी सहित अन्य अधिकारियों कर्मचारियों की मौजूदगी में विस्तार से ग्राम पंचायत वार योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली जाकर समीक्षा की गई। जनपद सीईओ ने न्यूनतम प्रगति वाली ग्राम पंचायतों पर नाराजगी जताई और संबंधित सचिव, ग्राम रोजगार सहायक और नोडल अधिकारियों को दो दिवस के अंदर प्रगति लाने के निर्देश दिए अन्यथा की स्थिति में सख्त कार्रवाई प्रस्तावित करने को कहा।

आय से 175% अधिक संपत्ति का खुलासा

राशन दुकान सेल्समैन के ठिकानों पर पहुंची E O W

वेयरहाउस, फार्महाउस समेत जमीनों के दस्तावेज जब्त

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। कटनी में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (E O W) ने मंगलवार की सुबह कटनी जिले के बड़वारा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले बसारी ग्राम में कार्रवाई को अंजाम दिया। शासकीय उचित मूल्य राशन दुकान के सेल्समैन सुशील गुप्ता के तीन ठिकानों पर एडह की टीम ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की गोपनीय शिकायत के आधार पर छापा मारा।

सुबह 8 बजे टीम ने दी दबिश

जबलपुर E O Wकी लगभग 20 सदस्यीय टीम ने मंगलवार सुबह ठीक 8 बजे बसाडी ग्राम में सेल्समैन सुशील गुप्ता के निवास, फार्म हाउस सहित धान मिल पर एक साथ दबिश दी। टीम ने पहुंचते ही घर की घेराबंदी कर ली और गहन जांच शुरू कर दी।

175 प्रतिशत आय से अधिक संपत्ति मिली- जबलपुर E O W के डीएसपी मनजीत सिंह ने बताया कि सेल्समैन सुशील गुप्ता के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की गोपनीय शिकायत मिली थी। इसी आधार पर आज सुबह उनके निवास और फार्म हाउस पर रेड मारी गई। E O W की प्रारंभिक जांच में आय से 175% अधिक संपत्ति का खुलासा हुआ है। वर्ष 1991 से 2019 के बीच सुशील गुप्ता की वैध आय लगभग 19 लाख रुपए बताई जा रही है, जबकि उनके नाम पर 56 लाख रुपए से अधिक की संपत्तियां और निवेश पाए गए हैं। इनमें वेयरहाउस, फार्महाउस, शहरी इलाके में जमीनें और आवासीय भवन शामिल हैं। विवेचना पूर्ण होते तक यह आंकड़ा 300 प्रतिशत के आसपास जाने की प्रबल संभावना है।

जब्त संपत्ति और दस्तावेजों की जांच जारी

E O W की टीम मुख्य रूप से सेल्समैन सुशील गुप्ता की प्रॉपर्टी और आय से संबंधित दस्तावेजों को खंगाल रही है। डीएसपी मनजीत सिंह ने बताया कि रेड के दौरान कुछ महत्वपूर्ण चीजें बरामद हुई हैं, जिसमें 35,000 रुपए नकद, कटनी के प्रेम नगर शहरी इलाके में एक प्लॉट से जुड़े दस्तावेज, बसारी ग्राम में एक वेयरहाउस के दस्तावेज और एक धान मिल के दस्तावेज मिले हैं। अधिकारी ने बताया कि टीम सभी दस्तावेजों की बारीकी से जांच कर रही है ताकि उनकी कुल अवैध संपत्ति का सही आंकलन किया जा सके। इस मामले में सेल्समैन सुशील गुप्ता के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

ग्राम अटामा में नि:शुल्क आरोग्य शिविर का आयोजन: 142 ग्रामीणों को मिला चिकित्सा लाभ

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। छपारा,जनस्वास्थ्य को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाते हुए, संभाग महाकौशल के अंतर्गत सतपुड़ा अंचल के छपारा संचालन क्षेत्र के ग्राम अटामा में आज एक भव्य नि:शुल्क आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया। इस एकदिवसीय आरोग्य शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा उन्हें आयुष चिकित्सा पद्धतियों के प्रति जागरूक करना था।यह शिविर शासकीय आयुष विभाग, गोरखपुर के सहयोग से संपन्न हुआ, जिसमें अनुभवी चिकित्सा अधिकारियों और स्टाफ ने भाग लिया। शिविर में डॉ. राजेंद्र सिंह बघेल, डॉ. आराधना पटेल, दरबसिंह धुर्वे, सहजपुरी पंद्रे समेत विभाग के अन्य चिकित्सा कर्मियों ने अपनी सेवाएं दीं। चिकित्सा टीम द्वारा ग्राम अटामा के कुल 142 ग्रामीणों झ जिनमें 64 पुरुष और 78 महिलाएं शामिल थीं झ का नि:शुल्क परीक्षण कर उन्हें आवश्यक औषधियाँ वितरित की गईं। इस शिविर की विशेषता यह रही कि सभी सेवाएं पूरी तरह नि:शुल्क थीं, जिसमें सामान्य बीमारियों के परीक्षण से लेकर आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक औषधियों का वितरण भी शामिल था। इससे ग्रामीणों को न सिर्फ त्वरित राहत मिली बल्कि उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति भी प्रेरित किया गया। शिविर में क्षेत्र के अनेक गणमान्य जनप्रतिनिधियों और संगठन प्रमुखों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इनमें प्रमुख रूप से गोविंद साहू (ग्राम प्रमुख), विनय बाजपेई (अंचल अभियान प्रमुख), पुन्नूलाल परते (अंचल गतिविधि प्रमुख), दुर्गा प्रसाद राम (साधक संच प्रमुख), प्रवेश बागरे (संच व्यास) तथा रामेश्वर साहू (आचार्य) सम्मिलित थे। इन सभी ने अपने उद्बोधन के माध्यम से ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया और इस प्रकार के शिविरों की निरंतरता पर जोर दिया। शिविर के दौरान न केवल उपचार की प्रक्रिया संपन्न हुई, बल्कि स्वास्थ्य शिक्षा और जनजागरूकता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी भी ग्रामीणों को दी गई। आयुष चिकित्सा विशेषज्ञों ने रोगों से बचाव, घरेलू उपचार, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा दी। इस आयोजन ने यह सिद्ध किया कि सामूहिक प्रयासों से स्वास्थ्य सेवाएं ग्रामीण अंचलों तक भी प्रभावी ढंग से पहुँचाई जा सकती हैं। ग्रामीणों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे शिविरों की अपेक्षा व्यक्त की।

दैनिक रेवांचल टाइम्स
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

डिंडोरी जिले में जिला ब्यूरो नियुक्त करना है और सभी ब्लॉक स्तर पर एजेंसी देना है पत्रकारिता के क्षेत्र में रुचि रखने वाले संपर्क करें

संवाददाता भी नियुक्त करना है

प्रबंध संपादक
अतुल कुमार
7415685293
7509202320

प्रधान कार्यालय
आदि प्लाजा की पीछे, फ्लैट न. 03
सी ब्लॉक, शताब्दीपुरम MR-4 रोड उखरी
जबलपुर म.प्र.

क्या आप दाद-खाज़, खुजली से परेशान है?

अब आपके शहर सिवनी में सभी प्रकार के चर्म रोगों का उपचार सुप्रसिद्ध चिकित्सक द्वारा संभव

डॉ. हेमलता चांचरिया
BHMS, PGDCC, Cosmetologist
चर्म, केश, सौन्दर्य चिकित्सक

माह के दूसरे एवं चौथे बुधवार
सुबह 11 बजे से 2 बजे तक

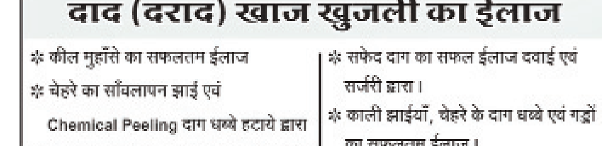

दाद (दराद) खाज खुजली का ईलाज

- कील मुहाँसे का सफलतम ईलाज
- चेहरे का साँवलापन झाई एवं Chemical Peeling दाग धब्बे हटाये द्वारा
- तील एवं मस्सो का स्थाई ईलाज लेजर द्वारा
- चेहरे के अनचाहे बालों को हटाना बालों का झड़ना समय से पहले बाल सफेद होना गंजेपन का ईलाज (पी.आर.पी.) द्वारा
- सफेद दाग का सफल ईलाज दवाई एवं सर्जरी द्वारा।
- काली झाईयाँ, चेहरे के दाग धब्बे एवं गड्ढों का सफलतम ईलाज।
- एलर्जी, एग्जिमा, शरीर पर खुजली एवं सोरायसिस का सफल इलाज
- चेहरे के गड्ढे झुरियां एवं दाग का सफल ईलाज दवाई एवं Dermaroller द्वारा

रेवा फार्मेसी
पता: बरघट रोड़, गणेश चौक, सिवनी
Mob: 96696 52061, 88393 10065

राजधानी में शिक्षा के नाम पर चल रहा गोरख धंधा

भोपाल के आयुर्वेद कॉलेज में खुलेआम लूट - सीटें 300 अस्पताल खाली!" ले रहे मनमानी फीस

दैनिक रेवांचल टाइम्स, भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में सरकारी तंत्र की नाक के नीचे आयुर्वेदिक कॉलेजों ने खुली लूट मचा रखी हैं। हाल यह हैं कि सरकार और सरकारी सिस्टम और नियंम कानून को ठेंगा दिखाते हुए राजधानी के ज्यादातर आयुर्वेदिक कॉलेजों में छात्र छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हुए खुली लूट मची हुई हैं। अभी हाल ही में मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले करीब 27 बच्चें सरकारी तंत्र और स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के चलते असमय ही काल के गाल में समा गए। उसके बाद में भी लगता हैं, सरकारी सिस्टम गहरी नींद में डूबा हुआ हैं। इसीलिए तो प्रदेश की राजधानी भोपाल में सरकारी तंत्र की नाक के नीचे ही आयुर्वेदिक कॉलेज खुली लूट मचा रखी हैं। ऐसा ही एक मामला राजधानी भोपाल में सेम (SAM)आयुर्वेदिक यूनिवर्सिटी हैं जिसको सरकारी नियम के तहत 300 BAMS सीटों की मान्यता मिली हुई हैं। राजधानी भोपाल में स्थित सेम नामक कॉलेज एवं यूनिवर्सिटी पर आयुर्वेद शिक्षा के नाम पर गहराती लूट और शैक्षणिक घोटालो की बू सामने आ रही है। सेम राष्ट्रीय आयुर्वेद आयोग (NCIM) और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) की सख्त गाइडलाइनों की खुलेआम अवहेलना करते हुए कॉलेज को 300 BAMS सीटों की मान्यता तो मिल गई परंतु इसके विपरीत संबंधित अस्पताल बंद पड़ा हुआ हैं। सेम आयुर्दिक कॉलेज में कभी भी मरीज नहीं मिलते और फैकल्टी हमेशा ही नदारद रहती है।

अस्पताल - ताले में, मरीज - कागजों में!

हकीकतः अस्पताल महीनों से बंद पड़ा है। और मरीज सिर्फ कागजों में ही देखने को मिलते हैं। इसके साथ ही थर्ड कैंपस में IPD की कोई व्यवस्था ही नहीं। तो वही कॉलेज दावा कागजों में दावा करता है की संबंधित कॉलेज में हर रोज 300+ OPD मरीज और दर्जनों क्ढऊ भर्तियां होती हैं। कॉलेज में शून्य मरीज, लेकिन रिकॉर्ड में दर्ज हैं सैकड़ों। वही सूत्रो से प्राप्त जानकारी के अनुसार सेम (रअट)आयुर्दिक कॉलेज में जब आप जाकर के देखेंगे तो मरीज शून्य की गिनती में दिखाई देते हैं। परंतु जब आप आवक जावक रजिस्ट्रर चेक करेंगे तो आपको सैकड़ों की संख्या में मरीज रिकॉर्ड में दर्ज मिलेंगे। वहीं संबंधित कॉलेज में विभागों की जिम्मेदारी कुछ गिने-चुने शिक्षक ही निभा रहे हैं और वह भी सिर्फ कागजों पर।

एडमिशन में -पैकेज डील-, फीस में खुला खेल

जानकारी के अनुसार NEET काउंसलिंग के अलावा किसी भी माध्यम से एडमिशन गैरकानूनी है, फिर भी कॉलेज के छात्र छात्रों से 2-4 गुना अधिक फीस वसूल रहा है। लाखों रुपये ऐंठ कर कॉलेज प्रबंधक और संचालकों के द्वारा एडवांस सीटो की बुकिंग की जा रही है। कॉलेज प्रबंधन के द्वारा नियंम विरुद्ध और ऊपर लेवल से सब साठगांठ कर और मोटी रिश्वत के चलते ही संभव हो सकता हैं।

गरीब और मेहनती छात्र शोषण के शिकार बन रहे हैं।

वही कॉलेज के सरकारी नियम के विरुद्ध कार्य करने की प्रणाली के चलते गरीब और मेहनती छात्र छात्राएं शोषण का शिकार हो रहे हैं। जिससे कि गरीब और मेहनती छात्र छात्राओं का भविष्य अंधेरे दिख रहा हैं।

सुरक्षा मानकों की अनदेखी के चलते आमजन को मौत को न्योता

राजधानी मुख्यालय जैसी जगह पर सेम (SAM) आयुर्वेदिक कॉलेज का संचालन करने वाले सुरक्षा मानकों की खुले आम धज्जियां उड़ा रहें हैं। कॉलेज में फायर इक्विपमेंट की वैलिडिटी खत्म हैं। जिससे कि खुले तौर पर आमजन को मौत रूपी न्यौता बाटा जा रहा हैं। तो वहीं सेम आयुर्वेदिक कॉलेज में आपदा प्रबंधन के इंतजाम शून्य नजर आता हैं। इतनी बड़ी यूनिवर्सिटी में यह लापरवाही संभवतः आपराधिक लापरवाही मानी जा सकती है।

आखिर मान्यता कैसे मिली आयोग पर उठ रहीं है अंगुलिया ..?

जब संबंधित अस्पताल बंद पड़ा हुआ हैं, मरीज गायब हैं, फैकल्टी कम हैं तो फिर आखिर संबंधित कॉलेज को 300 सीटों की मान्यता किस रसूखदारी के चलते दी गई यह एक बहुत बड़ा प्रश्न वाचक चिह्न हैं..?? अब सवाल यह हैं कि भ्रष्टाचार के चलते या रुपयों की न्योछावर के चलते क्या निरीक्षण टीम ने सब कुछ जानकर समझकर भी केवल अपने निजी स्वार्थों के चलते आँखें मूँद ली थीं? या फिर सरकारी अधिकारियों की मिलिभगत और भ्रष्टाचार के दम पर सम्बंधित कॉलेज को मान्यता प्राप्त दे दी गई। और इन्हें शिक्षा के नाम पर लूट मचाने के लिए खुला छोड़ दिया गया हैं पर क्यों,

नियम बनाम हकीकत (NCIM गाइडलाइन्स)
नियम नंबर 1. सीट -60
आवश्यक फैकल्टी -36
नम्बर 2 OPD - 120
IPD - 36 मरीज
हकीकत (सेम कॉलेज)-
गिने-चुने शिक्षक, मरीज शून्य
2. सीट -100
आवश्यक फैकल्टी -52
OPD - 200
IPD - 60 मरीज
3. सीट - 150
आवश्यक फैकल्टी- 70
OPD -300
IPD - 100
4. सीट - 200
आवश्यक फैकल्टी - 114
OPD -500
IPD - 200
क्लासरूम खाली, शिक्षण अधूरा इसके साथ ही अन्य कोई भी मानक पूरा नहीं।

कॉलेज प्रबंधन का पक्ष

सेम (SAM) यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता करण पठेर ने दावा किया कि, हम NCIM के नियमों का पालन कर रहे हैं। हॉस्पिटल में OPD/IPD सेवा चल रही है। गांव-गांव कैंप लगाकर सेवा कर रहे हैं। फीस सरकार के नियमों के अनुसार ली जा रही है। पर ये देख कौन रहा है ये किसकी जिम्मेदारी है निगरानी रखने की क्या सही क्या गलत है ये कौन बतला पायेगा प्रबंधन तो अपना ही अच्छे होने का ढिंढोरा पीट रहा हैं। लेकिन वही जब रेवांचल टाईम्स रिपोर्टर ने सच्चाई उजागर करनी चाही, तो ढफ्ढ करण पठेर ने फोन कर कहाः खबर मत चलाइए, बैठकर बात करते हैं। अगर सब सही चल रहा है तो फिर समाचार प्रकाशित करने से क्यों रोकने के लिए कॉल किया गया यह कॉल रिकॉर्डिंग रिपोर्टर के पास सुरक्षित है। आखिर क्या मीडिया को डराया जा रहा है? या फिर रिपोर्टर को डराने या नुकसान पहुंचाने की कोशिश हो सकती है।

अब सवाल उठता है कि

क्या मीडिया की आवाज को खरीदने की कोशिश की जा रही है? या छात्र छात्राओं का भविष्य यूं ही लूटा जाना जारी रहेगा? और बच्चों के अभिभावकों के द्वारा बच्चों के भविष्य के लिए कैसे फीस का इंतजार करते है ये प्रबंधन को क्या लेना है।

आमजन की मांगें..

1. सेम यूनिवर्सिटी की मान्यता तत्काल रद्द की जाए।
2. NCIM और NMC की जांच टीम मौके पर भेजी जाए।
3. संपूर्ण शैक्षणिक और आर्थिक ऑडिट कराया जाए।
4. प्रबंधन के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज हो।
5. माननीय सर्वोच्च न्यायालय स्वतः संज्ञान ले।

अब सवालिया निशान यह भी हैं की शिक्षा के मंदिर कहे जाने वाले विद्यालय को आखिर कब तक लूट का अड्डा बने हुआ देखते रहेंगे। छात्र, छात्राओं अभिभावक और समाज - सभी की एक ही आवाज जरूरत पड़ी तो सड़कों पर उतरेंगे, लेकिन सच्चाई सामने लाएंगे। वही दैनिक रेवांचल टाइम्स आपसे विशेष अनुरोध करता हैं की यदि आप छात्र, या भूतपूर्व छात्र छात्रा रह चुके हैं, आप अभिभावक या पूर्व स्टाफ हैं। और आपके पास संबंधित कॉलेज की अन्य कोई जानकारी या सबूत हैं - तो आप हमें संपर्क करें। आपका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

मोबाइल न. :- 9340553112,

बैतूल को जल संरक्षण में तीसरा स्थान मिला

केंद्र सरकार देगी 25 लाख का पुरस्कार, खेत तालाब, स्टॉप डैम, कंटूर ट्रेंच, सोकपिट समेत 13499 काम पूरे

बैतूल। बैतूल में जनसहभागिता से जल संरक्षण के कामों को सफल बनाकर बैतूल जिले ने देशभर में अपनी अलग पहचान बनाई है। केंद्र सरकार के जल संसाधन और नदी विकास विभाग द्वारा शुरू किए गए ह्यजल संचय जनभागीदारी अभियानह्ल में बैतूल ने वेस्टर्न जोन में तीसरा स्थान हासिल किया है। इसके लिए जिले को 25 लाख रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। यह सफलता कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के मार्गदर्शन और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अक्षत जैन के नेतृत्व में मिली है। इस उपलब्धि पर नेशनल वॉटर मिशन के मिशन डायरेक्टर ने कलेक्टर सूर्यवंशी को बधाई पत्र भेजा है। सीईओ अक्षत जैन ने बताया कि 1 अप्रैल 2024 से 31 मई 2025 के बीच जिले में 13,499 जल संरक्षण कार्यों का सत्यापन किया गया है। ये सभी काम मौके पर पूरे हो चुके हैं। इनमें खेत तालाब, स्टॉप डैम, कंटूर ट्रेंच, सोकपिट, चेक डैम, कपिलधारा और तालाब सौंदर्यीकरण जैसे कार्य शामिल हैं। जिले में जल संरक्षण के लिए एक मजबूत योजना बनाई गई, जिसमें उद्योगों, स्वयंसेवी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों और आम नागरिकों की भागीदारी रही। पुराने जलस्त्रोतों का पुनर्जीवन किया गया और गांव-गांव में वर्षा जल संग्रहण की संरचनाएं बनाई गईं। लगातार चलाए गए जनजागरूकता अभियानों और लोगों की सक्रिय भागीदारी से जिले में जल संरक्षण के प्रयास सफल हुए। परिणामस्वरूप, बैतूल ने पूरे देश में जल संरक्षण के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम की है।

मजदूर के जनधन खाते से 2 करोड़ का ट्रांजेक्शन हुआ

बैतूल में किसान सम्मान निधि निकालने पहुंचा तो खुला राज; बैंक ने खाता होल्ड किया

बैतूल। बैतूल जिले के एक गरीब मजदूर के खाते में करोड़ों रुपए के लेनदेन का मामला सामने आया है। जनधन योजना के तहत खोले गए इस खाते में किसान सम्मान निधि की राशि आती थी, लेकिन अब इसमें करीब 2 करोड़ रुपए का ट्रांजेक्शन पाया गया है। मजदूर जब सम्मान निधि की राशि निकालने बैंक पहुंचा तो यह खुलासा हुआ। कनारा निवासी बिसराम मंगू इवने का बैंक ऑफ महाराष्ट्र, खेड़ीसावलीगढ़ शाखा में जनधन खाता है। बैंक पहुंचने पर जब उसने पासबुक अपडेट करवाई तो बैंक के एकाउंटेंट ने बताया कि खाते में करोड़ों रुपए का लेनदेन हुआ है। इतना ही नहीं, बैंक ने खाता संदिग्ध ट्रांजेक्शन के चलते होल्ड कर दिया है।

कहा- आयकर की जांच में फंस सकते हो : एकाउंटेंट ने बिसराम को यह भी कहा कि इतनी बड़ी रकम के लेनदेन से आयकर विभाग की जांच में फंस सकते हो। यह सुनकर मजदूर के पैरों तले जमीन खिसक गई। परिवार के लोगों के अनुसार, वह तब से खाना तक नहीं खा पा रहा है और लगातार परेशान है। जानकारी के अनुसार, यह ट्रांजेक्शन 15 सितंबर से शुरू हुए हैं और अधिकांश मोबाइल बैंकिंग के जरिए किए गए हैं। खाते की स्टेटमेंट में अमोल झावर, शिवम पाल, राजेश और विनोद कुमार जैसे नामों से NEFT और डायरेक्ट ट्रांसफर दर्ज हैं।

आशंका- ऑनलाइन सट्टेबाजी हुई : कुछ ग्रामीणों का कहना है कि खाते में यह ट्रांजेक्शन आईपीएल शुरू होने के समय से हो रहे हैं, जिससे यह शक गहराता जा रहा है कि कहीं यह किसी ऑनलाइन सट्टेबाजी या फजीर्वाड़े से जुड़ा मामला तो नहीं है। खाते में मजदूर की अपनी रकम मात्र 9,600 रुपए है। जब उसे बैंक की यह बात पता चली, तो उसने मंगलवार को कलेक्टर से मिलकर लिखित आवेदन दिया और मामले की जांच की मांग की। बिसराम ने कहा, साहब, मैं तो मजदूर आदमी हूं, मेरे खाते में करोड़ों रुपए कहां से आए, मुझे कुछ समझ नहीं आता। लीड बैंक मैनेजर ने बताया कि वे मामले को गंभीरता से लेकर संबंधित बैंक शाखा से चर्चा कर जांच शुरू करने जा रहे हैं। फिलहाल प्रशासन ने आवेदन प्राप्त कर जांच की प्रक्रिया शुरू करने की बात कही है।

विश्वस्तरीय बनें उच्च शिक्षा के सभी संस्थान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विश्वविद्यालयों में पढ़ाए जाएं अधिक से अधिक रोजगारपरक एवं बहुउद्देश्यीय कोर्सेस

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय में अगले सत्र से प्रारंभ करें कृषि संकाय

विश्वविद्यालयों में रोजगारपरक विषय प्रारंभ करने संबंधी बैठक में दिए निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की उच्च शिक्षा गतिविधियों की समीक्षा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश के सभी यूनिवर्सिटी कैंपस एवं अन्य उच्च शिक्षण संस्थान विश्वस्तरीय बनाए जाएं। यह सभी संस्थान आईआईटी, आईआईएम और अन्य राष्ट्रीय संस्थानों की तर्ज पर विकसित किए जाएं। सिर्फ सैद्धांतिक ज्ञान नहीं, सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में रोजगारपरक एवं बहुउद्देश्यीय विषय एवं कोर्सेस प्रारंभ किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मंत्रालय में उच्च शिक्षा विभाग और प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में रोजगारपरक नवीन विषय प्रारंभ करने के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उच्च शिक्षा, आयुष, तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन, प्रमुख सचिव पशुपालन श्री उमाकांत उमराव, प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, प्रमुख सचिव खेल एवं युवक कल्याण श्री मनीष सिंह सहित प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के कुलगुरू, उच्च शिक्षाविद् एवं विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में अगले सत्र से कृषि संकाय और सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन में बीटेक में डेयरी टेक्नॉलाजी का पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया है। विद्यार्थियों में इन कोर्सेस का प्रचार करें जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थी इस विषय की पढ़ाई के लिए आगे आएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विमानन क्षेत्र में बड़ा स्कोप है, इसलिए विश्वविद्यालयों में इसके पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति का भी समग्र अध्ययन कराया जाए। इसके लिए इस विश्वविद्यालय को आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय बनाने पर भी गंभीरता से विचार कर निर्णय के लिए रखा जाए। उन्होंने कहा कि पाणिनी विश्वविद्यालय को आयुर्वेद विश्वविद्यालय बनाने से इस विश्वविद्यालय का परिधि क्षेत्र बढ़ेगा और प्रदेश के करीब 50 से अधिक आयुर्वेदिक महाविद्यालय इसके दायरे में आ जाएंगे। यह एक बड़ा कदम होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिये कि विश्वविद्यालयों में सभी प्रकार की भर्तियों को टाईम-फ्रेम में लाएं और जल्द से जल्द सभी प्रकार की भर्तियां एवं नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर ली जाएं। इस पर अपर मुख्य सचिव ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों की पूर्ति के लिए विज्ञापन जारी कर दिए गए हैं। वर्तमान में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर के 364 पद भरे हुए हैं और इन्हीं श्रेणी के 1585 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया प्रचलित है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नर्सिंग एवं पैरामेडिकल महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी ली। अपर मख्य सचिव श्री राजन ने बताया कि सत्र 2025-26 में नर्सिंग कॉउंसिल द्वारा प्रवेश प्रकिया आरम्भ कर दी गई है। पैरामेडिकल कॉउंसिल द्वारा सत्र 2025-26 की मान्यता संबंधी प्रक्रिया एक माह में प्रारम्भ करने की बात कही गई है। नर्सिंग एवं पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों को एनओसी उच्च शिक्षा विभाग के संचालनालय स्तर पर एवं मान्यता क्षेत्रीय विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि झाबुआ में मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए ग्राम कल्याणपुरा में 70 एकड़ भूमि उच्च शिक्षा विभाग के माध्यम से लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को आवंटित की जा चुकी है। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर द्वारा जिला अस्पताल झाबुआ में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज के टीचिंग हास्पिटल के रूप में अनुमति देने के लिए आवेदन कर दिया गया है। सभी विश्वविद्यालय अगले पांच साल का रोड-मैप तैयार करें मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के कुलगुरूओं को निर्देशित किया कि वे सभी अपने विश्वविद्यालयों का अगले पांच साल का रोड-मैप तैयार करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी कुलगुरू अपने विश्वविद्यालयों में कृषि, उद्यानिकी, फ्लोरीकल्चर, टूरिज्म, माइनिंग, विमानन, दुग्ध उत्पादन के प्रोत्साहन के लिए पशुपालन (एनिमल हस्बेंड्री) जैसे रोजगारपरक विषय एवं डिग्री पाठ्यक्रम प्रारंभ करें। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को ज्ञान देने के अलावा उनकी उद्यमशीलता को भी प्रोत्साहित करें। कृषि विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती की ओर प्रवृत करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय यह बताएं कि उन्होंने कितने रोजगारपरक विषय खोले हैं, उनमें कितने विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया और विश्वविद्यालयों ने अपने स्तर पर कितने विद्यार्थियों को रोजगार/प्लेसमेंट उपलब्ध कराए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय अपने-अपने क्षेत्र में स्थापित औद्योगिक प्रक्षेत्रों की जरूरतों को समझें और उनकी जरूरत के अनुसार अपने यहां नए-नए एडवांस कोर्सेस प्रारंभ करें। इससे विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर ही अध्ययन के साथ-साथ रोजगार भी मिल सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश के सभी यूनिवर्सिटी कैंपस एवं अन्य उच्च शिक्षण संस्थान विश्वस्तरीय बनाए जाएं। यह सभी संस्थान आईआईटी, आईआईएम और अन्य राष्ट्रीय संस्थानों की तर्ज पर विकसित किए जाएं। सिर्फ सैद्धांतिक ज्ञान नहीं, सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में रोजगारपरक एवं बहुउद्देश्यीय विषय एवं कोर्सेस प्रारंभ किए जाएं। अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन ने बताया कि देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर में बीबीए एविएशन का तीन वर्षीय पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसमें करीब 30 बच्चों ने प्रवेश लिया है। इसके अतिरिक्त बीएसी एविएशन पाठ्यक्रम बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर, सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन और चित्रकूट विश्वविद्यालय, चित्रकूट में प्रारंभ किया गया है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक सम्पन्न

मिष्ठान भंडार की जांच के दिए निर्देश

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबल योजना, छात्रवृत्ति, छात्रावास, एक बगिया- मां के नाम, समग्र ई- केवायसी, सीएम हेल्पलाइन आदि की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में दीपावली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी को मिष्ठान भंडार का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि निरीक्षण के दौरान मिष्ठानों और खाद्य पदार्थों का सैंपल लिया जाए और सैंपल की जांच की जाए।

अधिकारियों को दिए निर्देश

कलेक्टर ने संबल योजना के अंतर्गत पंजीयन और अनुग्रह सहायता के लिए अपील प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को मिलने वाली छात्रवृत्ति के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए वर्ष 2022- 23 एवं वर्ष 2023- 24 के लंबित प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा कलेक्टर ने अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए आवास सहायता के प्रकरणों के निराकरण करने के निर्देश भी बैठक में दिए। छात्रावास की समीक्षा के दौरान पाया गया कि जिले में कुल क्षमता के विरूद्ध 81.01 प्रतिशत सीटें भरी जा चुकी हैं। इस पर कलेक्टर ने छात्रावास में शेष रिक्त सीटों को भरने के निर्देश दिए। उन्होंने उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की।

गंगोत्री हरित योजना की समीक्षा

बैठक में कलेक्टर श्रीमती सिंह ने किसानों की फार्मर रजिस्ट्री, पीएम किसान योजना के तहत ई-केवायसी, एनपीसीआई एवं खाता लिंक की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों को समय सीमा में पूर्ण किया जाए। जिले में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत संचालित एक बगिया- मां के नाम के कार्य की प्रगति की समीक्षा की। करेली एवं नरसिंहपुर ब्लॉक के अंतर्गत कम प्रगति पाई गई, जिस पर उन्होंने प्रगति को बढ़ाने के निर्देश दिए। इसके अलावा कलेक्टर ने जिले में नर्मदा परिक्रमा पथ, गंगोत्री हरित योजना की प्रगति की भी समीक्षा की।

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा

समग्र ई-केवायसी की प्रगति के समीक्षा के दौरान उन्होंने निम्न प्रदर्शन करने वाले निकाय को प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों को नियमानुसार निराकृत किया जाए। शिकायतकर्ता की संतुष्टि के बाद ही उक्त शिकायत को बंद किया जाए। कलेक्टर ने हाई कोर्ट के लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हाई कोर्ट के लंबित प्रकरणों का जवाब तय समय सीमा में प्रस्तुत करें।

कलेक्टर ने किया विभिन्न ग्रामों का औचक निरीक्षण

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सोमवार को जनपद पंचायत गोटेगांव के अंतर्गत आने वाले ग्राम रामनिवारी, बगासपुर, श्रीनगर, इमलिया- कमती और सूरवारी का निरीक्षण किया। उन्होंने प्राथमिक शाला, आंगनबाड़ी केन्द्र, शासकीय हाईस्कूल, आदिम जाति सहकारी समिति मर्यादित, शासकीय उचित मूल्य दुकान, सेवा सहकारी समिति मर्यादित इमलिया, शासकीय उचित मूल्य दुकान और बहुउद्देशीय कृषि साख सहकारी समिति का निरीक्षण किया। इसके अलावा उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का भी औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर ने ग्राम रामनिवारी में शासकीय प्राथमिक शाला व आंगनबाड़ी और शासकीय हाई स्कूल बगासपुर का निरीक्षण किया कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने ग्राम रामनिवारी में शासकीय प्राथमिक शाला और आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने शासकीय प्राथमिक शाला में शिक्षा स्तर में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र में बच्चों को समय पर पोषणयुक्त भोजन प्रदान करने और निर्धारित समय पर आंगनबाड़ी केन्द्र खोलने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी केन्द्र में पानी का भराव होने की समस्या बताए जाने पर कलेक्टर ने जनपद सीईओ को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

नेमा समाज द्वारा मनाई गई निमी महाराज की जयंती

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस नेमा समाज द्वारा अपने आराध्य देव व आदिकुल जन्मदाता श्री निमी जी महाराज की जयंती गरिमामयी माहौल में मनाई गई। विगत दिवस आयोजित इस कार्यक्रम में प्रातः काल में सभी स्वजातीयजन नरसिंह मंदिर परिसर में एकत्रित हुए, यहां पर भगवान श्री नरसिंह जी का विधिवत पूजन अर्चन किया गया। नरसिंह मंदिर परिसर से समाज के वरिष्ठ सदस्य कैलाश चंद्र नेमा द्वारा सभी उपस्थितजनों का तिलकवंदन कर व भगवा वस्त्रपट्टिका पहनाकर नेमाशक्ति वाहन रैली का शुभारंभ किया गया। रैली में विशेष रूप से समाज की मातृशक्तियों की उत्साहजनक उपस्थिति उल्लेखनीय रही। संध्याकालीन बेला में नगर के स्वामी विवेकानन्द महाविद्यालय के सभागार में समाज के अध्यक्ष एडवोकेट रामगोपाल नेमा की अध्यक्षता में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का गरिमामय आयोजन किया गया। जिसमे समाज के नन्हे बालक बालिकाओं द्वारा फैंसी ड्रेस, भजन व गीत गायन, वादन, कविता एवम् नृत्यों के माध्यम से धार्मिक, भक्तिभाव, राष्ट्रभक्ति और संस्कारों से सुसज्जित सामाजिक समरसता के भाव प्रकट किए गए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मातृशक्तियों ने भी उल्लेखनीय भूमिका निभाई और कृष्ण-यशोदा संवाद एवम् सुदामा चरित्र लघु नाटिका का बहुत सुंदर मंचन किया। तत्पश्चात कार्यक्रमों में सहभागिता देने वाले सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मातृशक्तियों द्वारा सामूहिक गरबा महारास की प्रस्तुति व प्रसादी वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर नेमा समाज के भवन निर्माण संबंधी कार्ययोजना की दिशा में सकारात्मक रूप से आगे बढ़ने का एकमतेन व सामूहिक संकल्प लिया गया। इस अवसर पर नेमा समाज के वरिष्ठजनों, मातृशक्ति व युवा जनों सहित सभी ज्येष्ठ-श्रेष्ठजनों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

नपा अधिकारी कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस जिले के सरकारी कर्मचारियों ने वेतन भुगतान की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। कर्मचारी संगठन मध्यप्रदेश अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा ने कहा कि उनकी सैलरी और जो पुराना पैसा (एरियर्स) रुका हुआ है, उसे जल्दी दिया जाए। कर्मचारियों ने कहा कि 10 से 20 साल से नौकरी कर रहे लोगों का पुराना बकाया पैसा दिवाली से पहले एक साथ दे दिया जाए। उनका कहना है कि पैसा मिलते ही वे त्योहार की तैयारी कर पाएंगे। कर्मचारियों ने अपनी परेशानी बताते हुए कहा कि पैसे न होने से उनके घर के जरूरी खर्चे- जैसे बिजली का बिल, बच्चों की फीस, राशन और गैस भरवाने के काम रुक गए हैं, जिससे वे बहुत मुश्किल में हैं। दिवाली से पहले सारा पुराना पैसा (एरियर्स) एक बार में मिले। हर महीने की 1 से 5 तारीख के बीच सैलरी मिल जाए। केंद्र के कर्मचारियों की तरह 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता भी तुरंत दिया जाए। गुस्साए कर्मचारियों ने अपनी बात मनवाने के लिए कलेक्ट्रेट ऑफिस के बाहर नारे लगाकर प्रदर्शन भी किया।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर क्रिकेट मैच का आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। खेल गतिविधि क्रिकेट मैच के द्वारा दिया बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ एवं सशक्तिकरण का संदेश तथा अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत कॉलेज में अध्ययनरत छात्राओं को खेल गतिविधियों से जोड़ने एवं उनकी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीनियर बालिका टीम एवं जूनियर बालिका टीम के बीच फाईनल मैच का आयोजन स्थान महिला महाविद्यालय के पीछे स्थित ग्राउंड पर किया गया। जूनियर बालिका टीम की कप्तान सुश्री पूजा नौरिया ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का निर्णय लिया। सीनियर बालिका टीम ने पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 7 विकेट खोकर कुल 53 रन बनाए, जिसमें रश्मि कुर्मी द्वारा सर्वाधिक 23 रन बनाए गए। सीनियर टीम की कप्तान मुस्कान जाटव ने कुल 12 रन बनाए। जवाब में बैटिंग करने उतरी जूनियर बालिका टीम कुल 10 ओवर में 9 विकेट खोकर 51 रन बना सकी। जूनियर बालिका टीम में सर्वाधिक रन अंजली दीक्षित द्वारा 17 रन बनाए गए । इस तरह काफी रोमांचक मैच में सीनियर बालिका टीम ने 2 रन से लास्ट बोल पर मैच जीता। इस आयोजन में राधेश्याम वर्मा जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास जिला नरसिंहपुर, श्रीमती पुष्पा मदकोरिया परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास नरसिंहपुर एवं सुश्री अंशुल खरे सहायक प्रधान अध्यापक प्रोफेसर महिला महाविद्यालय नरसिंहपुर द्वारा सभी छात्राओं से परिचय प्राप्त किया गया। पुरस्कार स्वरूप जूनियर टीम को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ मोनो मुद्रित किये हुए सिल्वर मेडल व सीनियर बालिका टीम को गोल्डन मेडल प्रदान किये गये। सीनियर बालिका टीम से छात्रा सुश्री रश्मि कुर्मी को मेन ऑफ द मैच दिया गया एवं बेहतर प्रदर्शन पर जूनियर टीम की छात्रा सुश्री अंजली दीक्षित को पुरस्कृत किया गया। सीनियर टीम की कप्तान को प्रथम पुरस्कार से व जूनियर टीम की कप्तान को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विभाग से उपस्थित श्री सौनिध य सराठे बाल संरक्षण अधिकारी, आशीष विश्वकर्मा सामाजिक कार्यकर्ता, अंकुर नेमा आउटरीच वर्कर एवं अमित उमरे द्वारा पूरे आयोजन में विशेष सहयोग एवं समन्वय प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत संचालित महिला सशक्त वाहिनी कक्षा की छात्राओं ने पार्टिसिपेट किया। उक्त छात्राओं को निःशुल्क पुलिस भर्ती की तैयारी कराई जा रही है साथ ही निःशुल्क स्टेशनरी आदि भी उपलब्ध कराई जा रही है जिससे कि अधिक से अधिक बालिकाओं का चयन शासन के विभिन्न विभागों में हो सके।

सर्वसुविधा युक्त होंगी विकसित की जा रही कॉलोनी

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। जिले में लगातार काटी जा रही कालोनियों की अगर हम बात करें तो आए दिन एक कॉलोनी काटी जा रही है जिसमें कॉलोनी काटने का कोई नियम का पालन किए बिना पीली मिट्टी डालकर बिजली के खंभे खड़े कर कॉलोनी का नामकरण कर बोर्ड लगा दिया जाता है जिसमें किसी भी प्रकार की कोई सुविधा नहीं दी जाती जो लोग भारी भरकम राशि जिंदगी की जमा पूंजी खर्च करते हैं बो मकान बनाने के बाद पछतावा के अलावा कुछ हाथ नहीं लगता जिले भर म विगत 20 वर्षों में काटी गई सैकड़ों कालोनियों की स्थिति आज यह है कि ना वहां सड़क है ना पानी और ना ही नाली बनाई गई नगर प्रशासन के रिकार्ड मे अवैध रूप से दर्ज कॉलोनी में बैंक भी ऋण देने से साफ इनकार कर देते है। लुभावनी बाते कर कॉलोनाइजर प्लाट बेचकर अपना काम कर लेते हैं खरीददार जीवन भर पछताता रहता हैं।

पूर्ण विकसित तथा पक्की कॉलोनी का आज शुभारंभ

खैरी नाका के समीप श्री नरसिंह पब्लिक स्कूल के बाजू में विकसित की जा रही अक्षरधाम डी आर जे पार्क कॉलोनी के कॉलोनाइजर अमित जायसवाल ने बताया कि हमारे द्वारा अक्षरधाम कॉलोनी विगत कुछ वर्ष पहले मुशरान भवन के समीप विकसित की गई थी जिसमें सभी सुविधाएं हमारे द्वारा टी एंड सी पी की सभी शर्तों का पूरी तरह पालन करते हुए विकसित की थी जो कुछ ही वर्षों में लगभग पूर्ण विकसित हो चुकी है निवासरत लोग संतुष्ट हैं उसी क्रम में यह दूसरा फेस अक्षरधाम डी आर जे के नाम पर विकसित कर रहे हैं इसमें भी सभी जैसे, सीमेंट से बनी मोटी सड़क, सीवरेज लाइन पाइप वाली नाली, पानी पाइप लाइन, स्ट्रीट लाइट के साथ स्वयं की डी पी के साथ बिजली की सुविधा, मध्य स्थल पर मंदिर के साथ भव्य पार्क में बच्चों को खेलने के लिए पर्याप्त जगह, पक्की बाउंड्री वाल से पूरी को सुरक्षित किया गया है भव्य प्रवेश के लिए एक ही द्वार बनाया गया है साथ ही मेडीटेशन प्वाइट,बेडमिटर कोर्ट, जागिग पार्क, आउटडोर जिम गजीबो, जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी, इसमें हमारी कोशिश यही है कि सभी नियमों का पालन करते हुए जो लोग यहां निवास करे उनको कोई असुविधा न हो और न ही अपने आप को ठगा मेहसूस करे, कल 15 तारीख को कॉलोनी का शुभारंभ किया जा रहा है दीपावली के पावन पर्व पर विशेष ऑफर भी रखा गया है मात्र 51000/ रुपए जमा कर अपना प्लॉट बुक कर सकते हैं और इसमें विशेष छूट के साथ ढेर सारे इनाम भी पर्व पर रखे गए है। लोगो के जीवन का सपना साकार करने के लिए हम भी सहयोगी बन रहे हैं 90 प्लॉट इस कॉलोनी में बिक्री के लिए रखे गए हैं।अक्षरधाम डी. आर. जे. पार्क सर्व सुविधायुक्त आवासीय परिसर में अपने सपनों का घर बनाने के लिए पहले आयें, पहले पायें के लिए प्लाट बुक करने के लिए प्रवेश जायसवाल , अमन जायसवाल से सभी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

दीपावली के अवसर पर शुभारंभ आज

कांचघर द्वारका नगर में भीषण अग्निहादसा

किराना दुकान और गोदाम में लगी आग, 15 लाख का माल जला

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। कांचघर द्वारका नगर स्थित एक किराना दुकान और गोदाम में भीषण आग लग गई। हादसा इतना भीषण था कि दुकान-गोदाम में रखा पूरा सामान जलकर खाक हो गया। दुकान संचालक के मुताबिक उसका करीब 15 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। दुकान संचालक दिनेश ने बताया कि बीती रात जब वे किसी काम से मार्केट गए हुए थे। तभी किसी ने फोन कर बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण दुकान और गोदाम में भीषण आग लग गई है। दिनेश आनन-फानन में दुकान पहुंचा और तब तक फायर ब्रिगेड का अमला भी मौके पर पहुंच गया, जिसने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया लेकिन तब तक दुकान में रखा पूरा माल जलकर खाक हो गया था। दुकान और गोदाम की हालत भी ऐसी हो गई थी, जिसे देखकर संचालक का गला तक रुंध गया था।

त्योहार के कारण रखा था एक्स्ट्रा सामान

दुकान संचालक दिनेश ने बताया कि दीपावली का त्योहार होने के कारण उन्होंने ड्राइफ्रूट, पोहा, मुरमुरा और अन्य सामान एक्स्ट्रा मंगाकर गोदाम में स्टॉक किया था। चूकि त्योहार के वक्त इन सब चीजों की डिमांड बढ़ जाती है, इसलिए पूरी तैयारी कर ली गई थी लेकिन इससे पहले कि त्योहार की ग्राहकी शुरु हो पाती, भीषण अग्नि हादसे में सब कुछ जलकर खाक हो गया।

गोदाम में फैला करंट, पुलिस कर्मी चपेट में

बताया जा रहा है आग लगने के कारण पूरे गोदाम में करंट फैल गया था। मौके पर पहुंचे पुलिस कर्मी जैसे ही गोदाम के अंदर घुसे तो उनमें से एक पुलिस कर्मी को करंट भी लगा, जिसके बाद सभी सतर्क हो गए और उन्होंने तत्काल बिजली विभाग वालों को बुलाकर कनेक्शन कटवाया तब जाकर गोदाम के अंदर स्थिति नॉर्मल हो पाई।

फायर ब्रिगेड पर विलंब से पहुंचने का आरोप

दुकान संचालक के भाई ललित लेखवानी ने फायर ब्रिगेड पर विलंब से पहुंचने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि आग लगने के तुरंत बाद क्षेत्रीय व्यापारियों ने फ ायर ब्रिगेड कॉल किया था लेकिन अमले ने तत्परता नहीं दिखाई बल्कि एक घंटे के बाद पहुंचा तब तक पूरा माल जल खाक हो चुका था। उन्होंने कहा कि यदि अमला समय पर आता तो इतना नुकसान नहीं हो पाता, जितना हुआ है।

चौकी के बगल में गोल्ड शोरुम का ताला टूटा, गनीमत रही शटर नहीं उठी

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहपुरा थानाक्षेत्र में इन दिनों चोरों के हौंसले बहुत अधिक बुलंद हो गए हैं। जिसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है चोरों ने पुलिस चौकी के ठीक बगल में स्थित गोल्ड शोरुम का तक ताला तोड़ दिया। गनीमत यह रही कि सेंटर लॉक लगे होने की वजह से शटर नहीं उठी और दुकान के अंदर रखे जेवरात चोरी होने से बच गए। शहपुरा निवासी आनंद ज्वेलर्स के संचालक आनंद सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार को करीब 8 बजे वे अपने गोल्ड शोरुम में ताला डालकर घर चले गए। सुबह उन्हें सूचना मिली कि दुकान का ताला टूटा है। वे आनन-फानन में दुकान पहुंचे तो उन्होंने देखा कि ताला तो टूटा था लेकिन सेंटर लॉक लगे होने के कारण शटर नहीं उठ पाई और चोर अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो पाए।

गहने और नगदी हो गई पार

शहपुरा के वार्ड नंबर 10 में बबली सेन के सूने घर में चोरों ने धावा बोलकर अलमारी से नगदी और जेवरात पार कर दिए। फिलहाल मकान मालिक शहर से बाहर हैं, इसलिए यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि घर से नगदी कितनी और सोना-चांदी कितना गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर पहुंचकर महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाते हुए एफआईआर दर्ज कर ली है। साथ ही संदिग्धों से पूछताछ भी की जा रही है ताकि जल्द से जल्द चोरों को दबोचा जा सके।

अब एक से डेढ़ लीटर पानी में साफ हो सकेंगे बायोटॉयलेट

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जबलपुर रेल मण्डल से चलने वाली सभी ट्रेनों के बायोटायलेट में पानी की बचत हेतु प्रेशराइज्ड न्यूमटिक फ्लसिंग सिस्टम लगे हैं,इस सिस्टम के उपयोग से बायोटायलेट में प्रत्येक फ्लश में सिर्फ 1 से 1.5 लीटर पानी ही खर्च होता है,जो कि पहले खर्च होने वाले पानी की मात्रा की तुलना में बहुत ही कम है जिसके कारण जल को संरक्षित करने का महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। प्रमुख मुख्य यांत्रिक

इंजीनियर पश्चिम मध्य रेल जबलपुर एम विजय कुमार एवं मंडल रेल प्रबंधक जबलपुर कमल कुमार तलरेजा के मार्गदर्शन में कोचिंग डिपो जबलपुर में कार्यरत सीनियर सेक्शन इंजीनियर अविनाश चौधरी एवं लक्ष्मीकांत साहू द्वारा पानी की बचत किये जाने वाले इस महत्वपूर्ण सिस्टम के सुधार कार्य के लिए अत्याधुनिक टेस्ट बेंच द्वारा न्यूमटिक फ्लसिंग सिस्टम के सभी कम्पोनेंट को चेक व सुधार करने का कार्य कम समय में किये जाने के कारण न्यूमेटिक फ्लसिंग सिस्टम द्वारा प्रत्येक फ्लश में कम से कम पानी के उपयोग करने की प्रक्रिया सही तरीके से संपन्न हो रही है।

बिलहरी में तेज लग्जरी कार दुकान में घुसी

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। कैंट बिलहरी रोड़ पर एक फिर तेज रफ्तार लग्जरी कार का कहर देखने को मिला है। मंडला की ओर से तेज रफ्तार आ रही कार अनियंत्रित होकर सीधे एक दुकान में जा कर पलट गई। गनीमत यह रही की घटना देर रात की है अन्यथा बढ़ा हादसा हो जाता। तेज रफ्तार कार के कुछ सीसीटीवी फुटेज भी सामने आएं हैं। कार पलटने से क्षतिग्रस्त हुई दुकान के संचालक शैलेन्द्र कुमार राव ने बताया कि सोमवार - मंगलवार की दरमियानी रात 1.43 बजे तेज धमाके की आवाज सुनाई दी। घर के बाहर आने पर देखा तो एक हांडा सिटी कार क्रमांक एमपी 20 सीई 7286 दुकान को क्षतिग्रस्त करते हुए पलटी हुई है। वहीं चालक युवक कार के अंदर ही फंसा हुआ था। जिसे मशक्कत कर सुरक्षित कार से बाहर निकाला गया। कार दुकान में घुसने की सूचना मिलते ही गोराबाजार थाना का पुलिस भी मौके पर पहुंच गया था। पुलिस ने युवक से पूछताछ की लेकिन वह कुछ भी बता नहीं पा रहा था। युवक का कहना था कि उसे किसी ने पत्थर से मारा और कार को लाकर दुकान में घुसा दिया। लेकिन सीसीटीवी फुटेज में ऐसा कुछ दिखाई नहीं दिया। संभवतः युवक नशे की हालत में था। उक्त कार किसी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी की बताई जा रही है।

किसानों को कोदो-कुटकी के उपार्जन के बारे में जानकारी देने मखरार में आयोजित की गई कार्यशाला

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। कोदो-कुटकी का न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन करने की शासन द्वारा घोषित नीति की किसानों को विस्तार से जानकारी देने मंगलवार को कुंडम विकासखण्ड के ग्राम मखरार में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में एसडीएम कुंडम सुश्री प्रगति गणवीर भी मौजूद थीं। कार्यशाला में बताया गया कि राज्य शासन द्वारा कोदो एवं कुटकी उत्पादक किसानों के हित को देखते हुये पहली बार कोदो एवं कुटकी का समर्थन मूल्य पर उपार्जन करने का निर्णय लिया गया है। कोदो एवं कुटकी के उपार्जन हेतु किसानों के पंजीयन की प्रक्रिया 10 अक्टूबर से प्रारंभ हो चुकी है । कोदो और कुटकी उत्पादक किसान अपना पंजीयन 24 अक्टूबर तक करा सकेंगे। कुंडम तहसील में कोदो और कुटकी उत्पादक किसानों की सुविधा के लिये गौरी और पड़रिया में पंजीयन केंद्र स्थापित किये गये हैं। किसानों से कोदो और कुटकी का उपार्जन भी इन्ही दो समितियों के माध्यम से किया जाएगा। कार्यशाला में वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी कुंडम ने बताया कि शासन द्वारा कोदो का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2 हजार 500 रुपये प्रति क्विंटल एवं कुटकी का 3 हजार 500 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। समर्थन

मूल्य के अतिरिक्त इन दोनों फसलों पर शासन द्वारा किसानों को 1 हजार रुपये प्रति क्विंटल बोनस भी प्रदान किया जाएगा। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी ने समर्थन मूल्य पर कोदो-कुटकी के उपार्जन हेतु किसानों से अधिक से अधिक संख्या में अपना पंजीयन कराने का आग्रह किया है। कार्यशाला में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया।

ई-टोकन जनरेट करने में किसानों को आ रही कठिनाईयों को देखते हुए बुधवार से

ई-टोकन के साथ-साथ ऑफलाईन टोकन से भी वितरित होगी खाद

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। किसानों को उर्वरक वितरण की जबलपुर जिले में पायलेट प्रोजेक ट के तौर पर लागू की गई नई ०यवस्‍था "ई-टोकन एवं उर्वरक वितरण प्रणाली" से ई-टोकन जनरेट करने में किसानों को आ रही कठिनाईयों को देखते हुए जिला प्रशासन ने बुधवार 15 अक टूबर से नई ०यवस्‍था के साथ-साथ पुरानी ऑफलाईन व्यवस्था से भी किसानों को टोकन जारी करने का निर्णय लिया है। उर्वरक प्राप्त करने के लिए किसानों को ऑफलाईन टोकन तहसील कार्यालय अथवा वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय से ही प्रदान किये जायेंगे। इस संबंध में कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने जिले के सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को विस्तृत दिशा निर्देश जारी कर दिये हैं। दिशा-निर्देशों के मुताबिक ई-टोकन जरनेट कर उर्वरक लेने वाले किसानों को उनकी पात्रता अनुसार पूरी उर्वरक की मात्रा सीधे उपलब्ध करवाई जायेगी साथ ही सभी डबल लॉक केन्द्रों पर ई-टोकन वाले किसानों के लिए अलग काउंटर की व्यवस्था रहेगी जिससे उन्हे उर्वरक प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रत्येक डबल लॉक केन्द्र, एम.पी.एग्रो केन्द्र हेतु अधिकतम 100-100 टोकन एवं सहकारी विपणन समितियों हेतु अधिकतम 50-50 टोकन प्रति दिवस जारी किए जायेगें, जिससे कृषकों को लंबी लाईन में लगने की स्थिति निर्मित न हो। कलेक्टर द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि ऐसे कृषक जिनका ई-टोकन किसी कारण से जनरेट नहीं हो पा रहा है या जिनके पास पूर्व के ऑफलाइन टोकन है, उन कृषकों को अपने पुराने टोकन के साथ तहसील कार्यालय में जाकर उनका सत्यापन करवाना होगा। तहसील कार्यालय में मौजूद स्टॉफ पहले उनका ई-टोकन जनरेट करने में मदद करेगा तथा ई-टोकन जनरेट नहीं होने की स्थिति में भूमि के दस्तावेज के आधार पर ऑफलाइन टोकन देगा। ऐसे कृषकों को उनकी भूमि के आधार पर एक बार में अधिकतम 10 बोरी यूरिया तथा उपलब्धता के आधार पर एनपीके, एमओपी, टीएसपी, एसएसपी प्रदाय किया जायेगा। दिशा निर्देशों के मुताबिक निजी उर्वरक विक्रेता भी ई-टोकन जनरेट नहीं होने पर ऑफलाइन उर्वरक देने के लिए इसी प्रकार की व्यवस्था का पालन करेगें। साथ ही उनके द्वारा कृषकों के भूमी के दस्तावेज की छायाप्रति रखते हुए रजिस्टर में रिकार्ड का संधारण करना आवश्यक होगा तथा उर्वरक निरीक्षक एवं अधिकारियों के निरीक्षण के समय उन्हें यह रिकार्ड उपलब्ध भी कराना होगा। दिशा-निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि प्राथमिक साख सहकारी समितियों को भी इसी प्रक्रिया का पालन करना होगा। दिशा-निर्देशों में सभी संबंधित को प्रतिदिन ऑफलाइन टोकन से विक्रय की गई उर्वरक की मात्रा की जानकारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी के माध्यम से अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये हैं।

पीएसएम कॉलेज में रोजगार मेला का आयोजन 16 को

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। उप-प्रादेशिक रोजगार अधिकारी नेशनल करियर सर्विस सेंटर फॉर एससी-एसटी, जबलपुर द्वारा 16 अक्टूबर को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक पीएसएम कॉलेज परिसर में रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। उप-प्रादेशिक रोजगार अधिकारी जयिता गुप्ता नव बताया कि इस मेले का उद्देश्य शिक्षित बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार के अवसर प्रदान करना है। साथ ही मेले में शासकीय उपक्रम एवं एनसीएस कार्यालय अपनी कल्याणकारी योजनाओं, ऑनलाइन ट्रेनिंग तथा सभी सरकारी एवं गैर सरकारी जॉब की जानकारी देंगे एवं एनसीएस पोर्टल पर निःशुल्क पंजीयन भी किया जायेगा। उप-प्रादेशिक रोजगार अधिकारी ने रोजगार मेले में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थियों से अपने बायोडाटा एवं समस्त आवश्यक शैक्षणिक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने का आग्रह किया है।

म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के आगामी चुनाव वर्ष 2026 में सदस्य पद हेतु आपकी
प्रथम वरीयता मत का आकांक्षी
गोपाल सिंह बघेल (अधिवक्ता)

म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
पता - हॉल नं 3 सीट नं 7 विधि भवन, म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
कार्यालय-निवास
कृष्णा कॉलोनी के पास राज परिसर सुहागी, जबलपुर (म.प्र.)
Mob.: 9229653295, 8989141208, 7987512717

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स,वार्ड वॉय,आया बाई,फिजियोथैरेपी और दवाईयाँ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो.जितेन्द्र पटैल CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556,9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हाँई स्कूल मोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES

सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश कुमार श्रीवास द्वारा माँ रेवा पब्लिकेशन एन्ड प्रिंटर्स लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे विवेकानंद वार्ड एम आर 4 रोड़ जबलपुर म.प्र. 482001 से मुद्रित तथा लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे एम आर 4 रोड 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर म.प्र. 482001 से प्रकाशित । संपादकः अतुल कुमार बंदेवार RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965 (समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र जबलपुर) Email:- revanchaljabalpur@gmail.com मोब. 7509202320, 9406771592

आंगनबाड़ी निर्माण दरारें, नौनिहालों के सुरक्षा पर खतरा सरपंच, सचिव व अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप

एक साल में भी नहीं पूरा हुआ काम, बीम-कालम टेढ़े, चौखट घटिया

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जनपद पंचायत सोहागपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कंचनपुर में निमार्णाधीन आंगनबाड़ी भवन की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों द्वारा उठाए जा रहे आरोपों के अनुसार, इस भवन का निर्माण कार्य पिछले लगभग एक वर्ष से जारी है, लेकिन अब तक न तो भवन का स्वरूप ठीक से तैयार हो पाया है और न ही गुणवत्ता का पालन किया जा रहा है। निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री को लेकर संदेह जताया गया है, वहीं स्तंभ (कालम), बीम और चौखटों में गंभीर खामियाँ स्पष्ट दिखाई दे रही हैं। बताया जा रहा है कि आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण कार्य लगभग 12 महीने पहले प्रारंभ किया गया था। नियमानुसार यह भवन कुछ ही महीनों में पूर्ण हो जाना चाहिए था, लेकिन कार्य में न केवल टालमटोल की गई, बल्कि जो कार्य किया जा रहा है, वह भी न्यूनतम मानकों को ध्यान में रखे बिना किया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, जिस आंगनबाड़ी भवन में भविष्य में छोटे बच्चों को पोषण आहार, शिक्षा पूर्व देखभाल एवं स्वास्थ्य सुविधाएँ मिलनी हैं, उसी भवन की बुनियाद ही कमजोर रखी जा रही है। दीवारों की सीधाई, बीम का स्तर, कालम की मजबूती और चौखट की फिटिंग – सभी में भारी खामियाँ देखी गईं। निर्माण स्थल के प्रत्यक्षदर्शियों और संबंधित फोटो साक्ष्यों के आधार पर यह सामने आया है किः अधिकांश कालम टेढ़े-मेढ़े खड़े हैं छत को सहारा देने वाले बीम झुके हुए और असमान दिखाई देते हैं चौखटों में सड़ी-गली या कमजोर लकड़ी का प्रयोग किया गया है ईंट, बालू, सीमेंट और सरिया की गुणवत्ता सामान्य मानकों से कमतर प्रतीत होती है प्लास्टरिंग और फिनिशिंग का काम शुरू होने से पहले ही दरारें नजर आ रही हैं। ग्रामीणों ने सरपंच और सचिव सहित संबंधित विभागीय अधिकारियों पर गंभीर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों के मुताबिक, यदि निर्माण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जाती तो इस तरह की खामियां सामने ही नहीं आतीं। स्थानीय लोगों का सवाल है किः क्या पंचायत प्रतिनिधि और सचिव ने साइट निरीक्षण किया, क्या बीडीओ/जनपद सीईओ को निर्माण प्रगति की जानकारी दी गई, क्या उपयंत्री या तकनीकी सहायक ने गुणवत्ता जाँच की, अब तक इस संबंध में किसी अधिकारी की ओर से न तो संतोषजनक जवाब मिला है और न ही सुधारात्मक कार्रवाई होती दिखाई दे रही है। आंगनबाड़ी केंद्र एक ऐसा संस्थान है जहां 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों को कुपोषण मुक्ति, प्री-स्कूल शिक्षा और स्वास्थ्य लाभ से जोड़ा जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि भवन की मजबूती व संरचना ठीक नहीं हुई तोः बच्चों की जान को खतरा रहेगा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता असुरक्षित स्थिति में रहेंगी, किसी भी समय भवन के गिरने या क्षतिग्रस्त होने की आशंका बनी रहेगी, सरकारी योजनाओं का लाभ सही तरीके से नहीं पहुंच पाएगा, ऐसे में ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रश्न किया है कि जब संवेदनशील भवन के निर्माण में ही कोताही बरती जा रही है, तो योजनाओं के क्रियान्वयन से कैसे उम्मीद की जा सकती है।

पाँच दिन में पाँच बार पानी पाइप चोरी, बिजली लाइन तक काट दी गई, पुलिस प्रशासन नाकाम

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। जमुना क्षेत्र में चोरों का आतंक अब हद पार कर चुका है आम नागरिकों की सुरक्षा की बात छोड़िए, अब पुलिस कॉलोनी तक सुरक्षित नहीं रह गई अज्ञात चोर खुलेआम सरकारी संपत्ति को निशाना बना रहे हैं और प्रशासन मौन है यह हालात सीधे-सीधे सुरक्षा व्यवस्था की विफलता को उजागर कर रहे हैं स्थानीय सूत्रों के अनुसार, फिल्टर प्लांट से नारायण खदान तक बिछाई गई नई पानी सप्लाई लाइन को चोरों ने पाँच दिनों में पाँच बार काटकर चोरी कर लिया। 19 सितंबर को जी.एम. ऑफिस तक डाली गई जी.आई. पाइप (20 फीट) उखाड़ ली गई, और 21 सितंबर को 25 पाइप तथा 2अ कॉलोनी के पीछे से 18 पाइप गायब हो गए इस लूटखसोट ने जलापूर्ति व्यवस्था को पूरी तरह अस्थिर कर दिया है हर बार चोर जमीन खोदकर पाइप निकाल लेते हैं, और प्रबंधन छठवीं बार इसे सुधारने में जुटा है यह पूरी घटना कहावत अंधेर नगरी चौपट राजा को चरितार्थ कर रही है स्थानीय निवासियों का कहना है कि कॉलरी प्रबंधन सुरक्षा के मामले में पूरी तरह नाकाम साबित हुआ है न तो कोई प्रभावी निगरानी है और न ही नियमित गश्त करते है। चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे खुलेआम सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुँचा रहे हैं क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि अगर पुलिस और कॉलरी प्रबंधन ने शीघ्र और ठोस कदम नहीं उठाए, तो जलापूर्ति और बिजली दोनों ही बुनियादी सुविधाएँ पूरी तरह चरमरा सकती हैं यह लगातार बढ़ती वारदातें प्रशासन की विफलता पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। जमुना क्षेत्र के लोग चाहते हैं कि यह मामला उच्च प्रशासन तक पहुँचे और चोरों के हौसले को तोड़ने के लिए तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाए केवल तभी जनता को मूलभूत सुविधाओं की सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

कलेक्टर ने पटवारियों पर लगाया 5-5 हजार का जुमार्ना

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिला स्तरीय जनसुनवाई मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में संपन्न हुई। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने 87 आवेदनों पर जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में तहसील जैतहरी के वेंकटनगर निवासी श्री लक्ष्मीकांत सोनी पटवारी द्वारा डिजिटल नक्शे में तरमीम अपडेट नही करने तथा तहसील अनूपपुर के ग्राम देवहरा निवासी विद्याप्रसाद तिवारी पटवारी द्वारा नामांतरण नही किए जाने के संबंध में शिकायत लेकर कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत हुए। जिस पर कलेक्टर ने सख्ती दिखाते हुए आवेदकों की शिकायतों को गंभीरता से लेकर संबंधित दोनो पटवारियों पर 5-5 हजार रुपये की शास्ति अधिरोपित करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार ग्राम अमिलिहा तहसील अनूपपुर निवासी दीपक सोनी द्वारा सीएम कारकेट में लगी गाड़ी के भुगतान के संबंध में आवेदन किया गया। जिसका भुगतान कलेक्टर के निर्देश अनुसार आवेदक को तत्काल किया गया। जनसुनवाई में कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए समस्याओं का निराकरण समय-सीमा में सुनिश्चित करें।

सेंट्रल बैंक मैनेजर व कैशियर के खिलाफ थाने में धोखाधड़ी का मामला हुआ दर्ज

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। मां नर्मदा की उद्गम स्थली, पवित्र नगरी अमरकंटक से लगभग 24-25 किमी दूर आईजीएनटीयू कैंपस में संचालित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में खाता क्रमांक 3511546795 दिनांक 18/09/25 समय 18.55 बजे आवेदक कमल किशोर साहू उम्र 45 वर्ष निवासी वार्ड क्र 09 गौठियान टोला भरनी थाना अमरकंटक को लिखित शिकायत कर बताया गया कि स्वयं के खाता से 28/01/2020 को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के मैनेजर और कैशियर द्वारा विड्रॉल फॉर्म भरकर मेरे बिना हस्ताक्षर के 800 रु आहरण कर लिए गए । जब मैं स्टेटमेंट निकलवाया और आरटीआई के माध्यम से विड्रॉल की छायाप्रति निकलवाया जिसमें मेरे हस्ताक्षर नहीं है। बैंक मैनेजर एवं कैशियर के द्वारा मेरे साथ 800 रुपए की धोखाधड़ी की गई है। बैंक मैनेजर और कैशियर शासकीय विभाग में रहते हुए बैंक के हितग्राही से स्वयं का लाभ कमाने के लिए छल कपट पूर्वक राशि आहरण किए है , जिसकी शिकायत लिखित थाना अमरकंटक में की गई है जिसमें अपराध धारा 420 ता हि के तहत दंडनीय पाए जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आवेदक द्वारा बताया गया कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया लालपुर के बैंक मैनेजर और बैंक कैशियर द्वारा जो मेरे बिना हस्ताक्षर के मेरे खाते से 18/01/20 को राशि आहरण किया गया है वह अपराध है । मैं केश में न्याय के लिए दर दर गुहार लगाता रहा , एसडीओपी पुष्पराजगढ़ , एस पी कार्यालय अनूपपुर , कमिश्नर शहडोल सहित मुख्यमंत्री सीएम हेल्प लाईन , जन सुनवाई आदि में लगातार भागदौड़ करता रहा। थाना अमरकंटक के कई चक्कर काटा , वहां से कहा गया कि पूरा दस्तावेज हो तब आना । आज पूरा दस्तावेज लेकर आया और लिखित शिकायत किया जिसे जांच में लेकर आगे की कार्यवाही का भरोसा दिया गया है । इस कार्यवाही में पांच वर्ष आठ माह हमारे गुजर चुके है।

अमरकंटक में युवक कांग्रेस ने दस सूत्रीय जनहित मांगों को लेकर थाने और नगर परिषद को सौंपा ज्ञापन

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। पवित्र नगरी अमरकंटक में जनसमस्याओं और अव्यवस्थाओं को लेकर युवक कांग्रेस कमेटी अमरकंटक ने दस सूत्रीय मांगपत्र अमरकंटक थाना प्रभारी एवं नगर परिषद प्रशासन को सौंपा। ज्ञापन में नगर के नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं, स्वच्छता, यातायात और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़ी प्रमुख समस्याओं पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई। युवक कांग्रेस ने नगर परिषद से आग्रह किया कि नगर में खुलेआम विचरण कर रही गौमाताओं के लिए कांजी हाउस की व्यवस्था तत्काल की जाए। साथ ही नगर के सभी वार्डों में विद्युत व्यवस्था दुरुस्त करने, नर्मदा उत्तर एवं दक्षिण तटों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, और छोटे दुकानदारों के लिए एक निश्चित स्थान निर्धारण जैसी मांगें की गईं, ताकि नगर का यातायात सुव्यवस्थित रह सके। ज्ञापन में कहा गया कि परिक्रमा वासियों के मार्गों पर दिशा-सूचक बोर्ड लगाए जाएं, जिससे आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सके। नगर पालिका अंतर्गत स्थित रैन बसेरा, परिक्रमा वासी भवन, रेवा पारिवारिक धर्मशाला आदि भवनों का उपयोग तीर्थयात्रियों के ठहरने हेतु किया जाए। युवक कांग्रेस ने कपिलधारा और सोनमुड़ा ग्लास पाइंट पर हो रही अवैध वसूली की जांच तथा नर्मदा घाटों की स्वच्छता पर विशेष अभियान चलाने की मांग की। साथ ही नगर में अधूरे पड़े सीसी रोड और नालियों के निर्माण कार्यों की जांच, वाहन पार्किंग व्यवस्था, तथा निर्माण स्थलों पर सूचनात्मक बोर्ड लगाने की आवश्यकता बताई गई। घाटों पर बार-बार डूबने से हो रही दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए स्थायी बचाव दल की नियुक्ति की भी मांग रखी गई। वार्ड क्रमांक 02 स्थित हुडको कॉलोनी के निवासियों की जांच और मुख्य मार्ग से विद्यालय तक जाने वाली सड़क के निर्माण को भी प्राथमिकता से जोड़ा गया।

अवैध गतिविधियों पर थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

युवा कांग्रेस ने थाना अमरकंटक में सौंपे ज्ञापन में शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर नियंत्रण और यातायात व्यवस्था सुधारने की मांग की। बताया गया कि आश्रमों एवं होटलों के बाहर टैक्सी और बसें खड़ी रहने से यातायात प्रभावित होता है, जिसके लिए प्रशासन को सख्त निर्देश जारी करने चाहिए। ज्ञापन में कहा गया कि गौरेला से आने वाली टैक्सी वाहनों के कागजों की जांच, शराब सेवन कर तेज गति से वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई, तथा नगर में अनियंत्रित शराब बिक्री पर रोक लगाई जाए। विशेष रूप से शासकीय विद्यालयों के समीप शराब की बिक्री पर कड़ा प्रतिबंध लगाने की बात कही गई। युवा कांग्रेस ने बताया कि दुगार्धारा मार्ग से रात के समय अवैध रेत परिवहन जारी है, जिससे शासन को राजस्व हानि हो रही है और सड़कों को नुकसान पहुँच रहा है। इस पर तत्काल रोक लगाने और विशेष निगरानी दल गठित कर नियमित निरीक्षण की मांग की गई। युवा कांग्रेस कमेटी ने दस सुत्रीय मांगों को लेकर अमरकंटक थाना व नगर पंचायत को सौंपा ज्ञापन।

किसानों की चिंता बढ़ी, बारिश ने बिगाड़ी फसल की लय, नुकसान की संभावना

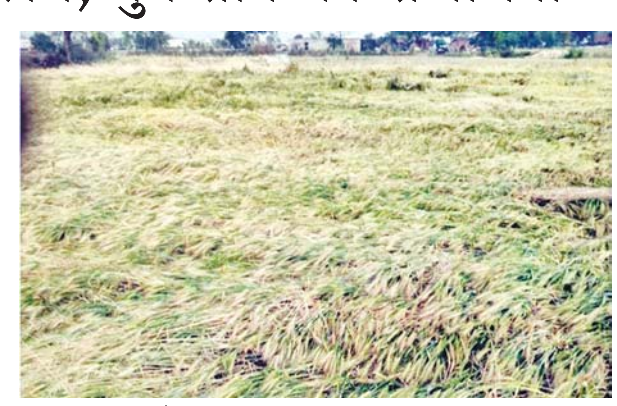

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। लगातार हो रही बारिश ने अनूपपुर जिले के खेतों में खड़ी धान की फसल को संकट में डाल दिया है। धान की बालियां झुक चुकी हैं, फसल कटाई के लिए तैयार है, लेकिन आसमान से बरसते पानी ने खेतों को कीचड़ में बदल दिया है। किसानों की मेहनत से लहलहाते खेत अब चिंता का कारण बन गए हैं। पानी से भरे खेतों में फसल सड़ने लगी है, जिससे उपज पर भारी असर पड़ने की आशंका है। मौसम विभाग की ओर से अगले कुछ दिनों तक बारिश की संभावना जताई जा रही है, जिसने किसानों की नींद उड़ा दी है। अनूपपुर, कोतमा, जैतहरी, देवहरा, डूमरकछार, राजेन्द्रग्राम,अमरकंटक बिजुरी सहित आसपास के क्षेत्रों के किसानों का कहना है कि इस बार फसल बेहद अच्छी थी, लेकिन अब बे-मौसम बारिश ने मेहनत पर पानी फेरने का डर पैदा कर दिया है। किसानो ने कहा कि ह्लसालभर की मेहनत का फल खेत में लटक गया है, अगर बारिश नहीं रुकी तो फसल काटने लायक नहीं बचेगी।ह्वमहंगाई ने भी किसानों की चिंता को दोगुना कर दिया है। खाद, बीज, डीजल और मजदूरी के बढ़ते दाम पहले ही जेब ढीली कर चुके हैं, ऊपर से फसल खराब होने का खतरा उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा कर रहा है। खेती हमेशा से जोखिम का धंधा रही है, लेकिन इस साल की लगातार बारिश ने यह साबित कर दिया कि जब तक फसल घर के गोदाम में नहीं पहुँचती, तब तक किसान की मेहनत अधूरी रहती है। "थाड़ी खेती, गाभिन गाय, मुँह आवै तब आपन आय", यह सिर्फ कहावत नहीं, बल्कि इस मौसम में हर किसान की वास्तविकता बन चुकी है।

ड्रिंक एंड ड्राइव पर कार्यवाही कार सहित 04 वाहन जब्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। शहर में नशे की हालत में वाहन चलाने वालों पर यातायात पुलिस ने शिकंजा कस दिया है, पुलिस टीम ने शराब के नशे में तेज रफ्तार से कार चला रहे एक चालक को भी पकड़ लिया। मौके पर की गई ब्रिथ एनालाइजर जांच में चालक के शराब पीने की पुष्टि हुई, जिसके बाद कार को जब्त कर चालक के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया। इसी दौरान, तीन ट्रक चालक भी शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पकड़े गए। जांच में सभी के नशे में होने की पुष्टि होने पर तीनों ट्रकों को जब्त कर कानूनी कार्यवाही की गई। यातायात पुलिस ने एक दिन पूर्व भी ड्रिंक एंड ड्राइव में पकड़े गए तीन वाहनों को न्यायालय भेजा गया था। लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से नशे में वाहन चलाने वालों में हड़कंप मच गया है। नशे में वाहन चलाना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि सड़क पर दूसरों की जान के लिए भी खतरा है। यातायात पुलिस सड़क सुरक्षा को लेकर पूरी तरह सजग है और इस प्रकार की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

छत्तीसगढ़ भेजी जा रही शराब को ग्रामीणों ने पकड़ा, ठेकेदार के गुर्गे गाड़ी छीनकर भागे, देखते रह गई आबकारी-पुलिस

शहडोल में फल फूल रहा नशे का गोरखधंधा

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले में शराब तस्करी का खेल अब खुलेआम चल रहा है। वहीं पुलिस-आबकारी विभाग सिर्फ दर्शक बने बैठे हैं। दरअसल, जयसिंहनगर क्षेत्र से छत्तीसगढ़ भेजी जा रही अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप को ग्रामीणों ने अपनी सूझबूझ से पकड़ा, लेकिन आबकारी और पुलिस की लापरवाही के कारण ठेकेदार के गुर्गे मौके से गाड़ी छीनकर फरार हो गए। इस दौरान ग्रामीणों ने इसका वीडियो अपने मोबाइल में कैद कर लिया था, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पूरा मामला जयसिंहनगर के ग्राम विनायक का है। जानकारी के अनुसार, टेटका बस स्टैंड से होकर जंगल के रास्ते सीधी बार्डर के ग्राम चांटी के रास्ते से छत्तीसगढ़ के लिए अंग्रेजी शराब की तस्करी की जा रही थी। ग्रामीणों को इसकी भनक लगी तो विनायक ग्राम पंचायत के सरपंच अमृतलाल सिंह के नेतृत्व में संदिग्ध वाहन क्रमांक उ꣡04-छ꣡8601 को पकड़ा। गाड़ी में भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब लदी थी। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस हेल्पलाइन नंबर और जयसिंहनगर पुलिस को दी। सरपंच के मुताबिक, उन्होंने थाने में पदस्थ एक विनोद नामक पुलिसकर्मी को भी खबर दी थी। लेकिन, घंटों बीत जाने के बाद भी न तो पुलिस पहुंची न ही पुलिस वाहन, इसी देरी का फायदा उठाते हुए कथित शराब ठेकेदार दीपक गुप्ता अपने कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचा और ग्रामीणों को धमकाकर शराब लदे वाहन को छीनकर भाग निकला। ग्रामीणों ने इस घटना को अपने मोबाइल में कैद कर लिया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि यह पहली बार नहीं, बल्कि लंबे समय से जयसिंहनगर से होकर छत्तीसगढ़ तक शराब की तस्करी का नेटवर्क चल रहा है। शराब की हर खेप के पीछे स्थानीय ठेकेदारों और उनके कर्मचारियों का हाथ बताया जा रहा है, लेकिन पुलिस और आबकारी विभाग की आंखें मानो बंद हैं। सरपंच अमृतलाल सिंह ने बताया हमने नशा मुक्ति अभियान के तहत तस्करी रोकने की कोशिश की, पुलिस को सूचना दी, लेकिन वे नहीं आए। शराब ठेकेदार के लोग गाड़ी छीनकर भाग गए। अब गांव में भारी रोष है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह घटना न सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण है, बल्कि यह सवाल भी उठाती है कि आखिर शराब ठेकेदारों के हौसले इतने बुलंद क्यों है ? क्या जिले में आबकारी विभाग और पुलिस की मिलीभगत से यह गोरखधंधा फल-फूल रहा है।

स्वच्छता ही सेवा अभियान पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम आयोजन, स्टेशन को स्वच्छ रखने की ली गई शपथ

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है भारत सरकार के सूचना प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो क्षेत्रीय कार्यालय बालाघाट द्वारा रेल्वे स्टेशन बालाघाट, और माय भारत के संयोजन में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन रेलवे परिसर बालाघाट में किया गया। इस अवसर पर भारतीय कला संगम जबलपुर के कलाकारों ने गीत और नाटक के माध्यम से स्वच्छता के महत्व को बताया। इस अवसर पर स्टेशन प्रबंधक श्री आर. एस. चौधरी, श्री सी. आर. जघेला, इकाई प्रभारी अजय बैंस, बाजपेई, रेनू बिसेन, कृष्ण मुरारी आरपीड़ सहित रेलवे के स्टाफ उपस्थित थे। कार्यक्रम में इकाई प्रभारी अजय बैस ने स्वच्छता के महत्व, स्वच्छता ही सेवा अभियान के बारे में पर विस्तृत जानकारी दी। स्टेशन प्रबंधक चौधरी ने कहा कि रेलवे स्टेशन, रेल को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी हम सबकी है, रेलवे द्वारा भी जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि रेलवे स्टेशन परिसर में डस्टबिन में ही कचरा डालें। सीबीसी द्वारा यह अच्छा प्रयास है। माय भारत बालाघाट के कार्यक्रम पर्यवेक्षक श्री सी आर.जघेला ने भी इस अभियान में लोगों से जुड़ने की अपील की। इस अवसर पर सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या, 114 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट।

प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 14 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव, एसडीएम गोपाल सोनी ने अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभाग को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 114 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में वारासिवनी तहसील के ग्राम कोचेवाही निवासी रूपेंद्र कुमार राउत प्रधानमंत्री आवास योजना का लेवर पेमेंट दिलाने की मांग लेकर आए थे। रूपेंद्र का कहना था कि वर्ष 2021-22 में उसे प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास स्वीकृत किया गया था, उसका आवास पूर्ण हो चुका है लेकिन आवास के लेवर पेमेंट का भुगतान अब तक नही किया गया है। ग्राम रोजगार सहायक प्रमोद पटले द्वारा लेवर पेमेंट भुगतान में टाल-मटोल की जा रही है। अतः उसे लेवर पेमेंट की राशि शीघ्र दिलायी जाए। इस पर मनरेगा के परियोजना अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। जनसुनवाई में वन ग्राम कुर्थीटोला के ग्रामीण अपने गांव तक पहुंच के लिए वनग्राम खारा से कुर्थीटोला होते हुए पंचेरा तक पक्की सड़क बनाने की मांग लेकर आए थे। ग्रामीणों का कहना था कि खारा से कुर्थीटोला के बीच क्षतिग्रस्त पुलियॉ का फिर से निर्माण कराया जाए। इस पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ईकाई के महाप्रबंधक को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में बैहर तहसील के ग्राम लूद की मीना टेकाम शिकायत लेकर आयी थी कि वह 75 प्रतिशत दिव्यांग है। उसे पूर्व में 01 हजार रुपए की विकलांग पेंशन मिलती थी, अब यह कम होकर 600 रुपए हो गई है। दिव्यांग होने के बाद भी उसे ट्राईसिकल की सुविधा का लाभ नही मिला है। इस पर सामाजिक न्याय विभाग की जिला समन्वयक को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। शिक्षा विभाग में सहायक ग्रेड-3 सह डाटा एंट्री ऑपरेटर के पद पर कार्य करने वाले आउटसोर्स कर्मचारी शिकायत लेकर आए थे कि उनका माह जुलाई, अगस्त एवं सितम्बर का वेतन अब तक नही दिया गया है। उन्हें उच्च कुशल श्रमिक का वेतन दिया जाना था, लेकिन उन्हे यह वेतन नही दिया जा रहा है और समय पर वेतन भुगतान भी नही किया जा रहा है। इस पर जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

खैरलांजी तहसील के ग्राम कुम्हली के विष्णु, तुलसीराम और दानेंद्र शिकायत लेकर आए थे कि उनके द्वारा हल्का पटवारी को भू-अभिलेख में नामांतरण के लिए आवेदन किया गया था। नामांतरण का आदेश पारित होने के बाद भी पटवारी द्वारा भू-अभिलेख में रिकॉर्ड दुरूस्त नही किया जा रहा है। इस पर खैरलांजी तहसीलदार को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। किरनापुर तहसील के ग्राम बड़गांव की निर्मला सोनवाने शिकायत लेकर आयी थी कि उसके पास अन्त्योदय अन्न योजना का राशन कार्ड है जिस पर उसे हर माह 35 किलो अनाज मिल रहा था। लेकिन लगभग 03 वर्षों से उसे हर माह 15 किलो अनाज ही मिल रहा है। अतः उसके राशन कार्ड पर 35 किलो राशन दिया जाए। इस प्रकरण में जिला आपूर्ति अधिकारी को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में बिरसा क्षेत्र के युवा देवम सिंह मरकाम, चैतराम तुरकर, बिपत राठौर, लक्ष्मी पटले, मनोरमा मातरे एवं रीता साहू शिकायत लेकर आए थे कि जनपद पंचायत बिरसा द्वारा बिना विज्ञापन निकाले 19 सितम्बर को 02 डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं 01 भृत्य की नियुक्ति कर दी गई है। यह नियुक्तियॉ अवैध है अतः इनकी जांच कर अवैध नियुक्ति निरस्त किया जाए। इस प्रकरण में जनपद पंचायत बिरसा के सीईओ को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। तिरोड़ी तहसील के ग्राम दुल्हापुर की गीता सहारे संबल योजना का लाभ दिलाने के मांग लेकर आयी थी। गीता का कहना था कि उसके पति राधेश्याम सहारे की 23 जुलाई 2025 को मृत्यु हो गई है, लेकिन उसे संबल कार्ड का कोई लाभ नही मिल रहा है। इस पर जनपद पंचायत कटंगी के सीईओ को प्रकरण की जांच कर शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बैहर तहसील के ग्राम हर्रानाला, बिठली, आमानाला, बोड़खी के ग्रामीण शिकायत लेकर आए थे कि उनका बिजली बिल पहले की तुलना में काफी अधिक आ रहा है। पहले उनका बिल 150 से 200 रुपए प्रतिमाह आता था, लेकिन माह जुलाई, अगस्त, सितम्बर में उनका बिजली का बिल 2100 से 2400 रुपए मासिक तक आ रहा है। जबकि वे अपने घरो में कूलर, फ्रिज या अन्य उपकरण का उपयोग नही करते है। उनके गांव में बिजली भी 24 घंटे नही रहती है। अतः उनका बिजली बिल कम कराया जाए जिससे वे बिल का भुगतान कर सके।

किरनापुर तहसील के ग्राम नेवरगांव कला की अनिता कुतराहे शिकायत लेकर आयी थी कि उसने प्रधानमंत्री आवास योजना में मकान बनाया है। उसके मकान के चारो तरफ बिजली के ट्रांसफार्मर लगे है, लेकिन उसे अब तक बिजली कनेक्शन नही दिया गया है। जिसके कारण कक्षा 11 वीं एवं 12वीं में पढ़ाई कर रहे दोनो बेटो को परेशानी हो रही है। अत उसे शीघ्र बिजली कनेक्शन दिलाया जाए। इन दोनों प्रकरणों में एमपीईबी के अधीक्षण यंत्री को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

पंचशील ध्वजारोहण एवं बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर धूमधाम से मनाया गया धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस

दैनिक रेवांचल टाइम्स किरनापुर। तहसील मुख्यालय स्थित डॉ बाबा साहब बस स्टैण्ड किरनापुर मे बौद्ध धम्म उपासक उपासिकाओं द्वारा धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सर्वप्रथम डॉ बाबा साहब अम्बेडकर प्रतिमा स्थापना एवं सुरक्षा समिति अध्यक्ष जे पी रामटेके द्वारा पंचशील ध्वजारोहण एवं बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजन किया गया।

तत्पश्चात् सामूहिक रूप से त्रि शरण पंचशील का पाठ कर पूजा वंदना की गई। एवं बाबा साहब का जयघोष लगाए गए। तत्पश्चात् सभी शाक्य मुनि बुद्ध विहार पहुंचे और तथागत भगवान गौतम बुद्ध एवं बोधिसत्व डॉ बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष मोमबत्ती, अगरबत्ती एवं धूपबत्ती प्रज्वलित कर माहौल को सुगंधित करते हुए पुष्प अर्पित कर त्रिवार पंचांग प्रणाम किया गया। तत्पश्चात रमाताई महिला मंडल द्वारा सामूहिक रूप से त्रिशरण पंचशील का गायन कर महा परित्राण पाठ किया गया। तत्पश्चात् महामंगल गाथा एवं भीम स्तुति प्रस्तुत की गई।

इस अवसर पर ग्राम के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ताओ द्वारा उपस्थित सभी बौद्ध उपासक उपासिकाओं को धम्म चक्र प्रवर्तन एवं अशोका विजयादशमी दिवस की बधाई देते हुए सभी का जीवन मंगलमय होने की कामना करते हुए बताया कि 14 अक्टूबर 1956 मे नागपुर की पवित्र दीक्षाभूमि मे डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर ने अपने 5 लाख अनुयायियों के साथ बौद्ध धम्म की दीक्षा ली थी। तथा सभी उपासकों को 22 प्रतिज्ञाओं का पालन करने प्रेरित किया। तब से बाबा साहब के अनुयायी उनकी शिक्षाओं को आत्मसात कर, उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ रहे हैं। और हम सभी लोगों को शिक्षित होकर, संगठित रहते हुए धम्म कारवां को आगे बढ़ाने के लिए सबसे पहले मैं क्या कर सकता हूं, मैं तन मन धन से कितना सहयोग दे सकता हूं। इस पर विचार मंथन कर अपने समाज उत्थान के लिए कार्य करने का संकल्प लेकर कार्य करने चाहिए। और दूसरा व्यक्ति क्या कर रहा है या नहीं कर रहा है इस पर विचार करेंगें तो हम असफल हो जाएंगे।

हमें अपने धम्म कारवां को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य करते रहने की आवश्यकता है। वही सेवानिवृत्ति प्रधानपाठिका राजकुमारी उके द्वारा भीम गीत भीमा घे पुनहा जन्म तू या दिनान साठी की सुमधुर प्रस्तुति दी गई। इसके अलावा अन्य वक्ताओं द्वारा भी धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस पर एवं समाज संगठन के हितों के लिए कार्य करने अपने अपने विचार व्यक्त किए गये। वही कार्यक्रम के समापन पर खीर पुरी एवं प्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता जय प्रकाश रामटेके, एस सी वैद्य,आर के शेडे,एम आर बागड़े, गौतम भीमटे, एस.आर.पटले, दुर्गेश भीमटे, उमाताई मेश्राम, राजकुमारी उके, कांता वैद्य, पतिराम गजभिए, वाय आर रामटेके, जी आर बोरकर, सरोजभीमटे एन एल निकुशे, धर्मशिला भीमटे, राकेश कुमार बोरकर, राजेन्द्र वैद्य, राहुल वैद्य, शेखर भीमटे, राजेंद्र भीमटे, ओ आर मेश्राम, मिलिंद चौरे, अंकित बोरकर, प्रकाश घोड़ेश्वर, स्वाकेश भीमटे, अमरदीप रामटेके, कमलेश मेश्राम, शानू मामा सहित अनेक बौद्ध उपासक उपासिकाओं की मौजूदगी रही।

साइबर जागरूकता अभियान के तहत पीएमश्री स्कूल की छात्राओं को किया गया जागरूक

दैनिक रेवांचल टाइम्स किरनापुर।

पुलिस मुख्यालय, भोपाल (मध्यप्रदेश) द्वारा सायबर जागरूकता माह अभियान दिनांक 01 अक्टूबर 2025 से 30 अक्टूबर 2025 तक संचालित किए जाने के संबंध में निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के पालन में बालाघाट पुलिस द्वारा जिले में विभिन्न सायबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी कड़ी में सायबर जागरूकता के अंतर्गत थाना किरनापुर द्वारा पी. एम. श्री कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को ऑनलाइन गेमिंग फ्रॉड, सोशल मीडिया सुरक्षा, व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा और सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के बारे में जानकारी दी गई तथा उन्हें सायबर अपराधों से बचने के उपायों के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों एवं विद्यालयों में उपस्थित छात्र/छात्राओं एवं शिक्षको से सायबर अपराधों के प्रति सजग रहने की अपील करते हुए संदेश दिया। साथ ही उपस्थित लोगों को सायबर हेल्पलाइन नंबर 1930, सायबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल तथा सायबर नोडल थाना बालाघाट के संपर्क नंबर 7049114987 की जानकारी दी गई, ताकि किसी भी प्रकार की सायबर ठगी या अपराध की स्थिति में तुरंत शिकायत दर्ज करा सकें। सायबर जागरूकता कार्यक्रम मे पुलिस द्वारा उपस्थित लोगो को सायबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

वही पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि संवेदनशील जानकारी साझा करने से बचें अपनी व्यक्तिगत जानकारी, बैंक खाता विवरण, और पासवर्ड को किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें।सुरक्षित इंटरनेट उपयोग हमेशा आधिकारिक और सुरक्षित वेबसाइट्स का ही उपयोग करें। सार्वजनिक पर संवेदनशील लेनदेन से बचें। फिशिंग ई-मेल्स से सावधान रहें कोई भी संदिग्ध ईमेल या लिंक खोलने से पहले हमेशा सुनिश्चित करें कि वह भरोसेमंद है। फोन कॉल्स और टेक्स्ट संदेशों में सावधानी बरतें अनजान कॉल्स या संदेशों के जरिए आए धोखाधड़ी के प्रयासों से बचें।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने बालाघाट रामपायली, खैरलांजी एवं भौरगढ़ में की कार्यवाही

पनीर, नमकीन, पेड़ा, बर्फी, खोवा के नमूने प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गये

खाद्य सामग्री विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों की जांच की

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। आमजन को मिलावट रहित एवं गुणवत्ता युक्त शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा जिले के विभिन्न स्थानों पर कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में 12 एवं 13 अक्टूबर को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने बालाघाट, रामपायली एवं भोरगढ़ में खाद्य सामग्री विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों की आकस्मिक जांच कर खाद्य सामग्री के नमूने प्रयोगशाला जांच के लिए भोपाल भेजे है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन बालाघाट की टीम द्वारा रामपायली की मां भवानी बीकानेर स्वीट्स का निरीक्षण कर पनीर और पेड़ा का नमूना प्रयोगशाला जांच के लिए एकत्र किया गया और प्रतिष्ठान के संचालक को स्वच्छता के लिए सुधार नोटिस जारी किया गया। इसी प्रकार रामपायली की सुमित होटल एंड बेकरी से पेड़ा एवं पनीर, जयसवाल होटल से पनीर एवं सेव नमकीन तथा कृश फैमिली रेस्टोरेंट से कुंदा का नमूना लिया गया। भोरगढ़ स्थित सांई बेकरी से पेड़ा एवं पनीर तथा श्रीकांत बेकरी भोरगढ़ से बर्फी एवं खोवा का नमूना लिया गया। खैरलाँजी के राम भरोसे रेस्टोरेंट, लिल्हारे बेकरी एंड स्वीट्स, लकी केक्स एंड कैफे का निरीक्षण कर साफ स्वच्छता के निर्देश दिए गए। फेरी कर खाद्य सामग्री बेचने वाले चुटिया के खोवेवाले से खोवा का नमूना लिया गया।

बालाघाट में जेडी स्वीट्स का निरीक्षण कर उसे स्वच्छता के लिए सुधार नोटिस दिया गया और पेड़ा, मिक्चर नमकीन का नमूना जांच के लिए एकत्र किया गया। इंदौर स्वीट्स कारखाने की साफ सफाई का निरीक्षण करते हुए उसे भी सुधार सूचना का नोटिस जारी किया गया तथा कुंदा, पेड़ा एवं नमकीन सेव के नमूने जांच हेतु लिए गए। दमाहे डेयरी बालाघाट से पनीर एवं खोवा का नमूना लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा गया है। 12 एवं 13 अक्टूबर को जिले के विभिन्न स्थानों में की गई कार्यवाही सीएमएचओ डॉक्टर परेश उपलप के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी वाजिद मोहिब योगेश डोंगरे, श्रीमती गीता टांडेकर एवं नायब तहसीलदार श्रीमती मंजुला महोबिया के दल द्वारा की गई।

समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए उपार्जन समिति की हुई बैठक

व्यापारियो एवं मिलर्स को उपार्जन के पूर्व रबी एवं खरीफ की धान का निष्पादन करना होगा

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। खरीफ विपणन सीजन 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए जिले में सभी आवश्यक तैयारियॉ की जा रही है। इसी कड़ी में 14 अक्टूबर को कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला उपार्जन समिति की बैठक आयोजित कर धान उपार्जन संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए। बैठक में अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे एवं समिति के सदस्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में कहा कि धान उपार्जन के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो और किसानों के नाम पर व्यापारी या बिचौलिया अपनी धान ना बेच पाए इसकी व्यापक स्तर पर तैयारी की जाए। धान उपार्जन के दौरान खरीदी, तौल एवं परिवहन के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी पाए जाने पर दोषी व्यक्ति के विरूद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए। अवैध रूप से धान विक्रय के लिए लाने वाले वाहनों को जब्त करने की कार्यवाही की जाए।

बैठक में तय किया गया कि समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के दौरान केवल किसानों का धान ही खरीदा जाएगा। इसमें फुटकर एवं थोक व्यापारी, मंडी के लायसेंसधारी व्यापारी एवं राईस मिलर्स अपने धान की रिसाईकलिंग न कर सके इसके लिए तय किया गया कि व्यापारियों एवं मिलर्स को धान उपार्जन प्रारंभ होने के पूर्व अपनी धान का निष्पादन करना होगा अन्यथा जिस धान का निष्पादन नही किया जाएगा उसे सीज कर दिया जाएगा। व्यापारियों एवं मिलर्स के गोदामों का प्रशासन के अधिकारियों द्वारा सत्यापन किया जाएगा। यदि उनके पास खरीफ या रबी की पुरानी धान का भण्डारण है तो उसका निष्पादन उपार्जन से पहले कराना होगा। जिले के उपार्जन केंद्रो पर अवैध रूप से धान न लायी जा सके इसके लिए विभिन्न स्थानों पर चेक पाईंट्स बनाए जाएंगे और इन चेक पाईंट्स पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

बैठक में तय किया गया कि नाप-तौल निरीक्षक द्वारा जिले में वेयरहाउस से संबद्ध समस्त धरम कांटे, प्राईवेट धरम कांटे एवं उपार्जन केंद्रो के ईलेक्ट्रानिक तौल कांटा के सत्यापन का कार्य उपार्जन के पूर्व शत प्रतिशत किया जाएगा तथा उपार्जन के दौरान धरम कांटो की आकस्मिक जांच की जाएगी। जिन समितियों पर धान खरीदी के दौरान गड़बड़ी किये जाने की कार्यवाही चल रही है उन्हें इस सीजन में धान खरीदी का कार्य नही दिया जाएगा।

इसी प्रकार स्वङ्कसहायता समूह एवं एफपीओ को भी धान खरीदी का कार्य नही दिया जाएगा। जिले में अधिकतम केंद्रो को गोदाम स्तर पर बनाने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी आरएस ठाकुर, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री पी जोशी, सहायक संचालक कृषि श्री राजेश खोबरागढ़े, नाप-तौल निरीक्षक, जिला विपणन अधिकारी तिवारी, मंडी निरीक्षण मनोज पटले, वेयर हाउस के प्रबंधक श्री पटले, जिला सुचना विज्ञान अधिकारी सुभाष ठाकरे उपस्थित थे।

15 अक्टूबर को जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। 15 अक्टूबर को जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक का आयोजन किया गया है। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में आयोजित यह बैठक अपरान्ह 03:30 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई है। इस बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्यों की समीक्षा की जाएगी।